राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 अब से हर अभ्यास सत्र अहम, | सम्पादकीय | आपदा को आमंत्रण | 6 साल की बच्ची ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड 5

वर्ष 18 ● अंक 97 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online ग्वालियर, शनिवार 20 अप्रैल 2024 email - hindustanexpressbhopal@Gmail.com, hindustanexpresshe@Gmail.com मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

लोकसभा चुनाव का प्रथम चरण: 102 सीटों पर 63 प्रतिशत मतदान हुआ

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। लोकसभा के प्रथम चरण में 21 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। सीटों के हिसाब से यह सबसे बड़ा फेज है। वोटर टर्नआउट ऐप के मुताबिक, शाम 6 बजे तक सबसे ज्यादा त्रिपुरा में 80 और बंगाल में 77.57 प्रतिशत वोटिंग हुई। सबसे कम वोटिंग बिहार में 48 प्रतिशत हुआ। 21 राज्यों में वोटिंग का एवरेज 63 प्रतिशत है। वोटिंग के दौरान मणिपुर के बिष्णुपुर में फायरिंग, बंगाल के कूचबिहार में हिंसा और छत्तीसगढ़ के बीजापुर में ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ है। ब्लास्ट में एक असिस्टेंट कमांडेंट और जवान घायल हैं। मणिपुर की दो लोकसभा सीटों (मणिपुर इनर और मणिपुर आउटर) पर भी इस फेज में वोटिंग है। हिंसा को देखते हुए आउटर सीट के कुछ हिस्सों में 26 अप्रैल को भी वोटिंग होगी। 2019 में इन 102 लोकसभा सीटों पर भाजपा ने 40, डीएमके ने 24, कांग्रेस ने 15 सीटें जीती थीं। अन्य को 23 सीटें मिली थीं। इस फेज में अधिकतर सीटों पर मुकाबला इन्हीं 3 दलों के बीच है। प्रथम चरण में 1,625 कैंडिडेट्स चुनाव लड़ रहे थे। इनमें 1,491 पुरुष, 134 महिला कैंडिडेट हैं। 8 केंद्रीय मंत्री, एक पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल भी इस बार चुनाव मैदान में थे। प्रथम फेज के बाद 26 अप्रैल को दूसरे फेज की वोटिंग होगी। कुल 7 फेज में 543 सीटों पर 1 जून को मतदान खत्म होगा। सभी सीटों के रिजल्ट 4 जून को आएंगे। छत्तीसगढ़ में बीजापुर के उसूर थाना इलाके के गलगम में ग्रेनेड ब्लास्ट में घायल सीआरपीएफ-196 बटालियन का जवान शहीद हो गया है। जवान का नाम देवेंद्र कुमार है। जवान एरिया डोमिनेशन पर निकले थे। इसी दौरान पोलिंग बूथ से 5 सौ मीटर दूर ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ था। इंफाल पूर्वी जिले के खुरई लाईखुटलेंबी के लोगों का आरोप है कि हथियारबंद बदमाश आए और वोट डाला। जब वास्तविक मतदाता आए तो उन्हें पता चला कि उनका वोट पड़ गया है। इससे गुस्साए लोगों ने ईवीएम मशीन में तोड़फोड़ कर दी।

यूपी के कैराना में 2.5 फीट के अजीम मंसूरी ने अपनी पत्नी बुशरा के साथ वोट डाला। दोनों ने शादी के बाद पहली बार मतदान किया। अजीम ने कहा- वह मोहब्बत और भाईचारे के लिए वोट डालने आए हैं। नगालैंड के 6 जिलों में लगभग 0 प्रतिशत वोटिंग हुई है। ये जिले हैं- मोन, लॉन्गलेंग, तुएनसान्ग, नोकलाक, शामाटोर और किफिरे। ये सभी पूर्वी नगालैंड में आते हैं। ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स ऑर्गेनाइजेशन इन जिलों के लिए अलग प्रशासन और पहले से अधिक वित्तीय स्वंत्रता की मांग कर रहा है। इस संगठन ने इन जिलों के लोगों से चुनाव का बहिष्कार करने की अपील की थी।

प्रतिशत लोकसभा चुनाव के पहले चरण में शुक्रवार को राजस्थान की 12 सीटों पर मतदान 6 बजे मतदान खत्म हुआ। शाम 6 बजे तक राजस्थान की 12 सीटों पर 61 फीसदी मतदान हुआ। नागौर के कुचेरा में भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा और इंडिया गठबंधन (आरएलपी) के प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल के समर्थक भिड़ गए। कुचेरा नगर पालिका के अध्यक्ष तेजपाल मिर्धा के सिर में चोट लगी। चूरू में सादुलपुर के गांव रामपुर रेणु गांव में फर्जी मतदान की शिकायत पर दो लोगों ने पोलिंग एजेंट का सिर फोड़ दिया।

मध्यप्रदेश में सभी सीटों पर 63.50प्रतिशत वोट डाले

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मध्यप्रदेश की 6 सीटों- छिंदवाड़ा, जबलपुर, मंडला, बालाघाट, शहडोल और सीधी पर मतदान खत्म हो गया है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, सभी सीटों पर शाम 6 बजे तक 63.50प्रतिशत वोट डाले गए। फाइनल आंकड़ा आना बाकी है।पहले चरण की हॉट सीट छिंदवाड़ा में मतदान का आंकड़ा 79.59 प्रतिशत रहा। पिछले लोकसभा चुनाव में इस सीट पर 82.39प्रतिशत वोट डाले गए थे। यहां कांग्रेस प्रत्याशी व मौजूदा सांसद नकुलनाथ और बीजेपी के विवेक बंटी साहू के बीच मुकाबला है।नक्सल प्रभावित बालाघाट के 3 विधानसभा क्षेत्र- परसवाड़ा, लांजी और बैहर में शाम 4 बजे तक वोट डाले गए। शहडोल के एक नक्सल प्रभावित बूथ पर सुबह 10 बजे के पहले 100प्रतिशत वोटिंग हो गई। यहां 80 वोटर हैं। नक्सल गतिविधियों के मद्देनजर जबलपुर में एयर एंबुलेंस और बालाघाट में हेलिकॉप्टर भी तैनात रखे गए। छिंदवाड़ा के वार्ड नंबर 25 के पाटनी टॉकीज क्षेत्र में कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। एक-दूसरे पर कुर्सियां फेंकी गईं। वहीं, पांढुर्णा विधानसभा में कांग्रेस पर्यवेक्षक सुनील जुननकर पर मुंह पर कपड़ा बांधे कुछ युवकों ने हमला करने की कोशिश की।कांग्रेस ने छिंदवाड़ा में बीजेपी नगर अध्यक्ष अंकुर शुक्ला का रुपए बांटने का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्क पर शेयर किया। कांग्रेस ने लिखा- शुक्ला पैसे बांटते हुए कैमरे में कैद हुए हैं। बीजेपी की यह हरकत बता रही है कि बीजेपी छिंदवाड़ा का चुनाव बड़े अंतर से हार रही है। लोकतंत्र के इन हत्यारों को देश कभी माफ नहीं करेगा। बीजेपी मतलब भ्रष्टाचार।सीधी में विधानसभा क्षेत्र चुरहट के बूथ क्रमांक 49 पर कब्जा करने के आरोप लगे। हालांकि, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने इससे इनकार करते हुए कहा, शिकायत पर तहसीलदार और टीम को वहां भेजा गया। बूथ कैप्चरिंग के किसी भी मामले की पुष्टि नहीं हुई है।

जो पड़ोसी पहले आतंकी भेजता था, अब रोटी के लिए मोहताजः मोदी

दमोह में चुनावी सभा को संबोधित कर बोले प्रधानमंत्री

दमोह। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज शुक्रवार को मध्य प्रदेश के दमोह में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और मध्य प्रदेश की जनता से इस बार राज्य की हर सीट पर भारी बहुमत से कमल खिलाने की अपील की। कार्यक्रम में मंच पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और खजुराहो से लोकसभा प्रत्याशी विष्णु दत्त शर्मा और दमोह से लोकसभा प्रत्याशी राहुल लोधी सहित अन्य वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भाजपा सरकार की पिछले 10 वर्षों की अहम उपलब्धियां रेखांकित की और देश में फिर एक बार प्रचंड बहुमत से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने की और इंडी गठबंधन और कांग्रेस पर सनातन विरोधी और भ्रष्टाचारी होने के आरोप लगाए हुए जमकर निशाना साधा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2024 का लोकसभा चनाव केवल सांसद चुनने का नहीं, बल्कि देश की आने वाली पीढ़ी के भविष्य को सुनिश्चित करने का चुनाव है। यह चुनाव आने वाले 5 वर्ष में भारत को दुनिया की बड़ी शक्ति बनाने का चुनाव है। जब दुनिया में युद्ध का माहौल हो, तो भारत में युद्ध स्तर पर काम करने वाली मजबूत सरकार का होना आवश्यक है। यह काम केवल पूर्ण बहुमत वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही कर सकती है। बीते 10 वर्षों में देश ने देखा है कि एक स्थिर सरकार विपरीत परिस्थियों में भी कुशल कार्य कर सकती है। कोरोना काल में पूरी दुनिया में हाहाकार मच गया था, मगर देश की मजबूत भाजपा सरकार ने पूरी दुनिया से भारतीयों को देश में सुरक्षित वापस लाई। भाजपा सरकार ने करोड़ों भारतीयों को निःशुल्क राशन प्रदान किया और कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीन की खुराक भी लगवाई। आज देश में ऐसी मजबूत और स्थिर सरकार है, जो न किसी से डरती है और न ही किसी के सामने झुकती है। भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर कार्य करते हुए देशहित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

मोदी ने कहा कि आज विश्व में बहुत से देशों की हालत खराब है, कई देश दिवालिया होने की कगार पर खड़े हैं। भारत का एक पड़ोसी देश, जो आतंक का सप्लायर था, वह अब आटे की सप्लाई के लिए तरस रहा है। ऐसे वैश्विक हालातों में भारत, विश्व में सबसे तेजी से विकसित हो रहा है। आज दुनिया में भारत की वाह-वाही हो रही है, जिस पर हर भारतीय को गर्व हो रहा है। यह सब देश की जनता के वोट के कारण ही हो पाया है। देश के कोने-कोने में फिर एक बार मोदी सरकार के नारों की गूंज सुनाई दे रही है।

कुछ वर्षों पूर्व आतंकी बम से धमाके करते थे लेकिन अब पटाखा फोड़ने से भी डरते हैंः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टीकमगढ़, सोहागपुर और इटारसी में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया एवं रोड शो में सहभागिता की।

टीकमगढ़, होशंगाबाद। कांग्रेस ने हमेशा से देश के हिन्दू-मुसलमानों के बीच में दरार डालने का कार्य किया है। कांग्रेस आपस में लड़ाकर, झूठ बोलकर राज करती रही। हिन्दुस्तान-पाकिस्तान का बंटवारा भी कांग्रेस ने ही कराया था, क्योंकि उस समय न जनसंघ था और न ही भारतीय जनता पार्टी थी। श्रीराम मंदिर के मामले में भी पांच-पांच सरकार गिराने का पाप कांग्रेस के माथे पर है। आजादी से पहले अंग्रेजों ने देश में फूट डालो शासन करो की नीति अपनाई थी और आजादी के बाद से कांग्रेस भी इसी नीति के सहारे देश में वर्षों तक राज करती रही, लेकिन अब देश का हिन्दू-मुसलमान कांग्रेस की इस नीति को समझ गया है। अब देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार आगे बढ़ रहा है। भारत माता के पीछे 56 इंच के सीने वाला बब्बर शेर खड़ा हुआ है। यह बातें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कही। वे टीकमगढ़ लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी डॉ वीरेंद्र खटीक के समर्थन में आयोजित रोड शो एवं होशंगाबाद लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के समर्थन में सोहागपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इटारसी में भी रोड शो में अपनी सहभागिता की।

जवानों-किसानों को दिलाया उनका सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जवान देश की सुरक्षा करता है। 24 घंटे वह भारत माता की रक्षा के लिए संघर्ष करता है। इसी तरह हमारे देश का किसान भी सबको अन्न मिले, इसके लिए लगातार जुटा रहता है, लेकिन कांग्रेस की सरकार में कभी भी देश के जवान और किसानों को उनका सम्मान नहीं मिला। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के जवानों और किसानों को उनका सम्मान दिलवा रहे हैं। वे किसानों के अधिकारों के लिए उन्हें सम्मान निधि दे रहे हैं तो वहीं उनकी फसलों का उचित दाम भी दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी देश की सीमा पर जाकर जवानों के साथ दीवाली मनाते हैं, उनके साथ पटाखे भी फोड़ते हैं। इससे पहले ऐसा सम्मान किसी ने नहीं दिया।

जैसे को तैसा जबाव देना भारत को आता है

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि पहले कभी दिल्ली, कभी मुंबई, कभी भी, कहीं भी बम विस्फोट हो जाते थे। कोई सुरक्षित नहीं था, लेकिन अब देश में यह स्थिति नहीं है। अब कहीं भी बम नहीं फूटते हैं और अब तो यह स्थिति हो गई है कि यदि गलती से कहीं छोटा पटाखा भी फूट जाए तो पाकिस्तान कहता है कि हमने नहीं फोड़ा है। यह हमारे देश और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी की ताकत है। पाकिस्तान ने भी एक बार बालकोट में गलती कर दी थी, जिसके बाद जो कुछ हुआ वह पूरी दुनिया ने देखा। किस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर उसको सबब सिखाया था। पाकिस्तान ने हमारे देश के वीर अभिनंदन को पकड़ लिया था। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि पाकिस्तान ने बहुत बड़ी गलती की है और इस गलती का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इसके बाद पाकिस्तान ने देश के वीर अभिनंदन को भी सुरक्षित भारत भेजा था। जैसे को तैसा जबाव देना भारत को आता है।

श्रीराम मंदिर में हमेशा से अड़ंगे लगाए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में अड़ंगे लगाए। वे हमेशा से देश के अंदर हिन्दू-मुसलमान के बीच में गलत संदेश देते रहे। उनके बीच में फूट डालते रहे, लेकिन जब सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आया तो इसका स्वागत क्या हिन्दू, क्या मुसलमान पूरे देश ने किया। अयोध्या के अंदर भगवान श्रीराम के मामले में कांग्रेस ने हमेशा से गलती की। देशभर में सब यही चाहते थे कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण हो, लेकिन कांग्रेस हमेशा से यह चाहती थी कि यहां पर श्रीराम मंदिर नहीं बने, क्योंकि मंदिर के बहाने ही कांग्रेस राजनीति करती रही। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में देश में जितने दंगे हुए, जितने कर्फ्यू लगे उतने कभी नहीं लगे थे। जब कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार ने मोर्चा खोला तो उस समय भी कांग्रेस के लोग कहते फिरे कि यदि 370 धारा हटेगी तो देश में खून की नदिया बह जाएंगी, लेकिन जिस तरह से हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में धारा 370 हटाने का कार्य हुआ है वह पूरे देश के लिए गर्व करने की बात है। अब तो कश्मीर के अंदर आनंद ही आनंद है। अब तो पाकिस्तान के लोग भी कहते हैं

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है: नरेन्द्र सिंह तोमर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश का गौरव बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं

ग्वालियर। शुक्रवार को मुरार ग्वालियर स्थित श्री मदन मोहन जी के मंदिर प्रांगण में सर्वहारा सर्वजातीय समरसता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि हमारा देश विभिन्न बोलियों, भाषाओं व संस्कृति का देश है। हमारे देश की विशेषता है कि हम सभी लोग पूर्ण भाईचारे के साथ मिल-जुलकर रहते हैं। यही हमारे देश की विशेषता है। आज देश को ज़रूरत इस बात की हैं कि कुछ समाज विरोधी ताकतें हमारे समाजों को तोड़ने का कार्य कर रही हैं, ऐसी ताकतों के मंसूबों को सफल नहीं होने दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार सर्वजातीय समरसता को बढ़ाने का कार्य बहुत अच्छे ढंग से कर रही है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के गौरव को बढ़ाने का कार्य करने में लगे हुए हैं। उनके कार्यकाल में देश का चहुंमुखी विकास हुआ है। लेकिन कुछ राजनैतिक दलों के नेता इस बात को हजम नहीं कर पा रहे हैं और वे श्री मोदी के विरुद्ध अनर्गल बयानबाजी करने में लगे हुए हैं, लेकिन हमारे देश का जागरुक मतदाता समय पर इसका जवाब देगा। कार्यक्रम को अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम प्रारंभ होने से पूर्व सभी लोगों ने श्री तोमर का पुष्पहारों से आत्मीय अभिनंदन किया। इस अवसर पर हजारों लोग मौजूद थे।

सर्वहारा सर्वजातीय समरसता सम्मेलन सम्पन्न

राहुल का वंशवाद और तुष्टिकरण की राजनीति में यकीन करना भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा - जेपी नड्डा

वायनाड में बोले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। देश के 21 राज्यों में पहले फेज के चुनाव के बीच अन्य जगहों पर चुनाव प्रचार जारी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शुक्रवार को केरल के वायनाड में रैली कर रहे हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि एक तरफ पीएम मोदी के नेतृत्व में वायनाड से के सुरेंद्रन उम्मीदवार हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी यहां से उम्मीदवार हैं। मुझे समझ नहीं आता, उन्हें वायनाड में क्यों आना पड़ा? क्या उन्हें भरोसा नहीं है कि वे अपनी पुरानी सीट से जीत सकते हैं, जिसे वे लंबे समय से रिप्रेजेंट करते आए हैं। राहुल गांधी वंशवादी शासन में यकीन करते हैं, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा है। वे तुष्टीकरण की राजनीति में भरोसा रखते हैं।

केरल में बर्ड फ्लू फैला, 8 दिन में 3500 पक्षी मरे

आर.एन.एस.

अलप्पुझा। केरल के अलप्पुझा जिले में दो जगह जानलेवा बर्ड फ्लू के फैलने की खबर हड़कंप मच गया है। यहां एडथवा ग्राम पंचायत के वार्ड एक और चेरूथाना ग्राम पंचायत के वार्ड 3 में बत्तखों में इस वायरस की पुष्टि हुई है। एडथवा मे 12 अप्रैल से अब तक 3 हजार तो चेरूथाना में 250 पक्षी मारे चुके हैं। मरे हुए पक्षियों के सैंपल जब भोपाल स्थित लैब भेजे गए, तब इनमें एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) यानी बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई। अब यहां 21 हजार पक्षियों को मारा जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक एडथुआ में अब्राहम ओसेफ की 7500 बत्तखों, और चेरुथाना में रघुनाथन चिरयिल की 2000 और देवराजन टीकी 15000 बत्तखों में हफ्ते भर पहले से वायरस के लक्षण दिखाई दे रहे थे। रिपोर्ट आने के बाद जिला कलेक्टर एलेक्स वर्गीस ने 25 अप्रैल तक बत्तख, चिकन, बटेर और अन्य घरेलू पक्षियों के मांस, अंडे और अपशिष्ट (खाद) की आवाजाही, बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद जिला कलेक्टर ने मीटिंग की, जिसमें फैसला लिया गया कि भूकंप के केंद्र से एक किलोमीटर के दायरे में संक्रमित पक्षियों को मारने और नष्ट किया जाएगा। इसके लिए एक रैपिड एक्शन फोर्स बनाई गई है। इसकी 8 टीमें दोनों जगहों पर बत्तखों को मारने और उन्हें नष्ट करने का काम करेंगी। जिला प्रशासन ने कहा है कि बर्ड फ्लू से घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि इस बीमारी के इंसानों में फैलने की कोई संभावना नहीं है। हालांकि, प्रशासन ने लोगों से सावधानी बनाए रखने कहा है।

अमित शाह ने गांधीनगर से नामांकन दाखिल किया, बोले - इस बार का चुनाव बेहद अहम

आर.एन.एस.

गांधीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को गांधीनगर में भाजपा प्रत्याशी के तौर पर नामांकन पर्चा दाखिल किया। यहां 7 मई को वोटिंग होनी है। अमित शाह दूसरी बार गांधीनगर से चुनाव लड़ रहे हैं। नामांकन दाखिल करने के बाद उन्होंने कहा कि गांधीनगर की जनता का मुझे हमेशा से सहयोग मिला है। क्षेत्र में विकास के सभी काम हुए हैं। इस बार का चुनाव बेहद अहम है। मोदी तीसरी बार पीएम बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मैंने गांधीनगर सीट से अपना नॉमिनेशन भरा है। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि जिस सीट से लालकृष्ण अडवानी, अटलजी ने प्रतिनिधित्व किया है और खुद नरेंद्र मोदी जी यहां से मतदाता हैं। उस सीट से प्रतिनिधत्व करने का मौका मिला है। 30 साल से मैं गांधीनगर से विधायक और सांसद बना, जनता के लिए ढ़ेरों काम किए। यहां के लोग मुझे अपना ढेर सारा प्यार देते हैं। मैं एक छोटे से बूथ कार्यकर्ता से संसद तक पहुंचा हूं।

इजराइल : पीएम नेतन्याहू पर लगा गाजा में वॉर क्राइम का आरोप

तेल अवीव। इजराइल को डर है कि आईसीसी नेतन्याहू और मिलिट्री के कई लीडर्स के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी कर सकता है। हमास के खिलाफ जंग के बीच इजराइल को डर है कि इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी कर सकता है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, गाजा में अंतरराष्ट्रीय कानूनों तोड़ने के आरोप में इजराइल के कई राजनेताओं और मिलिट्री लीडर्स के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकता है। दरअसल, एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल को सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली थी कि आईसीसी आने वाले समय में वारंट जारी करने पर विचार कर रही है।

उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया लोकतंत्र का महापर्व

मजबूत लोकतंत्र के लिए सबसे जरूरी है मतदान

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिले में आज लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए लोकतंत्र के महापर्व पर अनूपपुर जिले के बुजुर्ग, दिव्यांग, युवा, महिलाएं, छात्र-छात्राओं ने उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ सहभागिता निभाई। जिले में मतदान प्रक्रिया प्रातः 7:00 बजे से प्रारंभ हुई। मतदान प्रक्रिया प्रारंभ होते ही मतदान केंद्रों में मतदाताओं की कतार देखने को मिली। इस दौरान लोगों ने अपना वोटर आईडी कार्ड दिखाते हुए अपनी प्रसन्नता व्यक्त किया। बुजुर्ग, युवा व महिलाएं सभी वर्ग के मतदाता लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी निभाने के लिए सुबह सुबह मतदान केंद्रों पर पहुंचने लगे। मतदान को लेकर बुजुर्ग मतदाताओं का हौसला बुलंद दिखा।
बुजुर्ग मतदाताओं में मतदान करने को लेकर जोश व उत्साह देखने को मिला। लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व में अपना योगदान देने के लिए बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाता कोई कसर नहीं छोड़ रहे थे। मतदान करने के बाद सभी मतदाताओं ने कहा कि हमने लोकतंत्र के इस महान यज्ञ में अपनी मत की आहुति देकर अपना कर्तव्य निभाया है, सभी मतदाता इस कर्तव्य को अवश्य निभाएं। जिले के विशेष मतदान केंद्रों में सेल्फी प्वाइंट भी आकर्षण का केंद्र बना रहा, जहां मतदाताओं ने मतदान करने के पश्चात सेल्फी लिया।

सात समुंदर पार अपने परिवार के साथ वोट डालने पहुचीं छात्र श्रद्धा बियानी

वार्ड नंबर 12 अनूपपुर की श्रद्धा बियानी ने अपने परिवार के तीन पीढ़ियों के सदस्यों के साथ जिला मुख्यालय स्थित केंद्रीय विद्यालय अनूपपुर मे बनाए गए मतदान केंद्र-84 में लोकतंत्र के महापर्व में मतदान किया। उन्होंने लोकतंत्र के महापर्व में आस्था व्यक्त करते हुए चुनाव का पर्व देश का गर्व के तहत सभी को मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

लोकतंत्र के महापर्व पर दिव्यांग मतदाताओं ने किया मतदान

आज लोकतंत्र के महापर्व पर मतदान करने जिले के दिव्यांग मतदाता भी खुशी ज़ाहिर करते हुए मतदान किया। जिले के विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर के मतदान केंद्र क्रमांक 205 सिवनी (जैतहरी) में 22 वर्ष के दिव्यांग युवा मतदाता उमेश कुमार राठौर मतदान कर प्रसन्न व्यक्त करते हुए मतदान किया। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र कोतमा के साजाटोला मतदान केंद्र क्रमांक- 37 में दिव्यांग मतदाता भूरी देवी ने मतदान का प्रयोग किया।

बुजुर्ग मतदाताओं ने सपत्नीक बढ़ चढ़कर किया मतदान

अनूपपुर जिले के सभी विधानसभा में बुजुर्ग मतदाता ने सपत्नीक बढ़-चढ़कर मतदान किया तथा उन्होंने युवा मतदाताओं को बताया कि वह भी किसी से कम नहीं है। इसी कड़ी में बुजुर्ग दम्पति वृन्दावन चतुर्वेदी 92 वर्ष एवं उनकी पत्नी बेनीबाई चतुर्वेदी 85 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 13 अनूपपुर द्वारा मतदान किया। इसी प्रकार बुजुर्ग दम्पति कमला प्रसाद राठौर 85 वर्ष पत्नि दुलारिया बाई राठौर 82 वर्ष निवासी बस्ती वार्ड नम्बर 10 द्वारा व अन्य वरिष्ठ मतदाताओं द्वारा मतदान किया गया।

प्रथम बार मताधिकार प्रयोग करने पर युवा मतदाताओं ने व्यक्त की प्रसन्नता

जिले की युवा मतदाता हेमलता गुप्ता, मिनी गोस्वामी एवं चंद्रप्रपात सिंह ने लोकसभा निर्वाचन 2024 में जिले में प्रथम मताधिकार प्रयोग उत्साह एवं उमंग के साथ प्रसन्नता व्यक्त करते हुए किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि मैं प्रथम बार अपनी मताधिकार का प्रयोग किया है मुझे बहुत ही प्रसन्नता महसूस हो रही है। मैं आगे भी लोकतंत्र के इस महापर्व में ऐसे ही उमंग के साथ मतदान करना चाहती हूं।

नृत्य करते हुए मनाया गया लोकतंत्र का उत्सव

अनूपपुर जिले के तुलसी महाविद्यालय के छात्राओं ने मतदान करने के पश्चात उत्साह, उमंग एवं हर्षोल्लास के साथ लोकतंत्र का त्यौहार नृत्य कर मनाया। छात्राओं ने जिले के सभी मतदाताओं से शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील भी किया है।

सेल्फी प्वाइंट बना आकर्षण का केंद्र

अनूपपुर जिले के विशेष मतदान केंद्रों में सेल्फी प्वाइंट आकर्षण का केंद्र रहा। लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सेदारी निभाने बड़ी संख्या में मतदाता अपने मतों का प्रयोग कर सेल्फी लिया। तथा सेल्फी के माध्यम से इस लोकतंत्र के महायज्ञ में अपनी मत की आहुति देने हेतु मतदाताओं से अपील भी किया।

अज्ञात कारणों से किसान के खेत में लगी आग, फसल हुई स्वाहा

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत दुधमनिया के दुधमनिया गांव में पूर्व सरपंच अवधराज सिंह की खेत में रखे अरहर, गेहूं एवं अन्य तरह की फसल की करही में 19 अप्रैल की

मामला दुधमनिया गांव का

दोपहर अचानक अज्ञात कारणों से आग लगने के से फसल पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। घटना की जानकारी ग्राम पंचायत के सरपंच सुधार सिंह द्वारा दिए जाने पर नगरपालिका परिषद अनूपपुर की फॉयर बिग्रेड मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी। फसल पर अचानक आग लगने का कारण समाचार लिखे जाने तक स्पष्ट नहीं हो सका है।

अमिट स्याही का निशान दिखाकर वरिष्ठ, दिव्यांग, जवान, महिलाओं, युवाओं तथा पत्रकारों ने लोकतंत्र में व्यक्त की आस्था

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। वरिष्ठ, दिव्यांग और जवान, सभी करें सौ प्रतिशत मतदान मतदाता जागरूकता अभियान के इस स्लोगन को जिलें के वरिष्ठ, दिव्यांग, जवान, महिलाओं, युवाओं तथा पत्रकारों ने चरितार्थ किया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिले के मतदान केन्द्रों में सुगम, समावेशी व पारदर्शी मतदान की व्यवस्था से संतुष्ट एवं उत्साहित मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दिव्यांगों ने मताधिकार का प्रयोग कर अपनी उंगली पर लगाई गई अमिट स्याही को दिखातें हुये अन्य लोगों को भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में दिये गये मताधिकार का प्रयोग करने का आव्हान किया। मतदान के दिन युवा मतदाताओं ने भी पहली बार अपने मत का प्रयोग करके अपने कर्तव्य का निर्वहन पूरा किया और वोट देकर प्रसन्नता भी जाहिर की। इसी तरह ग्रामीण और शहरी अंचल के बुजुर्ग महिला और पुरुष मतदाता ने भी इस लोकतंत्र के पर्व में अपना दायित्व निभाया। शारीरिक परेशानियों के बावजूद अपने मत का उपयोग लोकसभा और देश को सही नेतृत्व देने के लिए किया।

वेबकास्टिंग के माध्यम से 434 मतदान केन्द्रों व 9 मतदान केन्द्रों पर सीसीटीवी से रखी गई निगाहें

अनूपपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले के 699 में से 434 मतदान केन्द्रों में वेब कास्टिंग व 9 मतदान केन्द्रों में सीसीटीवी के माध्यम से निर्वाचन मतदान की गतिविधि पर नजर रखी गई, जिला मुख्यालय के कलेक्ट्रेट अनूपपुर से वेब कास्टिंग के तहत मतदान केन्द्रों की पल-प्रतिपल गतिविधि पर पैनी निगाहें रख व्यवस्था की चौकसी की गई।

आदर्श मतदान केन्द्र आकर्षक ढंग से किए गए थे सुसज्जित

जिले में 26 आदर्श मतदान केन्द्र, 235 महिला प्रबंधकीय बूथ बनाए गए थे। जहां मतदान दिवस पर मतदाताओं की सुविधाओं के साथ ही मतदान केन्द्रों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। जिले के मतदान केन्द्रों में मतदाताओं का पुष्प देकर स्वागत किया गया।

अनदेखी 3 : अपने बदले की कहानी के साथ लौट आया है अटवाल परिवार, इस सीरीज की स्ट्रीमिंग 10 मई से सिर्फ सोनी लिव पर होगी

भोपाल। पापा जी लौट आये हैं! सोनी लिव ने हाल ही में अपनी बेहद बहुप्रतीक्षित थ्रिलर सीरीज-अनदेखी 3 का ट्रेलर जारी कर दिया है। पापा जी को एक नये अवतार में देखने के लिये तैयार हो जाईये, क्योंकि वे अंधेरों और छल-कपट की दुनिया में और भी गहराई से उतरने जा रहे हैं। यह सीजन निश्चित रूप से दर्शकों को भावनाओं एवं रोमांच के एक नये सफर पर ले जायेगा, क्योंकि कहानी में आगे दिल दहला देने वाला खून-खराबा देखने को मिलने वाला है।
अटल परिवार में जारी कोलाहल के बीच पारिवारिक राजनीति से जूझता है और अपने बीते हुये अतीत का सामना करना उनके लिये एक बहुत बड़ी चुनौती बन जाती है। रोमांचक मुठभेड़, जोकि सत्ता पाने के लिये एक संघर्ष है और लंबे समय से दबे हुये रहस्य उन्हें घेरने को तैयार हैं। यह सीजन बदले की आग के बीच सत्ता के लिये एक रोमांचक युद्ध को दिखाएगा।
पापा जी का किरदार निभा रहे हर्ष छाया ने कहा, ''अनदेखी'' के तीसरे सीजन में वापसी सिर्फ पापाजी और अटवाल परिवार की ताकत वापस लेने के बारे में नहीं है; यह उन किरदारों को गहराई से जानने के बारे में है जिन्होंने दर्शकों को इतने लंबे समय तक बांधे रखा है। सीजन 3 में रोमांच का एक अतिरिक्त आयाम देखने को मिलेगा, तो उन छिपी गहराइयों को उजागर करने के लिए तैयार हो जाइए जिनके बारे में आप नहीं जानते थे। इसके नये सीजन में किरदार भावनाओं के उतार-चढ़ाव के दौर से गुजरते हैं। वे एक ऐसी दुनिया में जाते हैं जहां नैतिकता धुंधली है और वफादारी लगातार बदल रही है। यह शो आपकी धारणाओं को चुनौती देगा, रहस्यों को उजागर करेगा और निस्संदेह एक स्थायी, चौंकाने वाला प्रभाव छोड़ेगा। बनिजॅय एशिया के सहयोग से एप्लॉज़ एन्टरटेनमेंट द्वारा निर्मित और आशीष आर शुक्ला द्वारा निर्देशित 'अनदेखी 3' में कई जाने-माने सितारे प्रमुख किरदारों को निभाते नजर आयेंगे। इनमें शामिल हैं-हर्ष छाया, दिब्येन्दु भट्टाचार्य, सूर्या शर्मा, अंकुर राठी, आंचल सिंह, आइन जोया, वरूण बडोला और शिवांगी सिंह।
देखिये 'अनदेखी 3' 10 मई से सिर्फ सोनी लिव पर!

सुपरस्टार सिंगर 3 में, 'मेरे ढोलना' की प्रस्तुति पर बोले प्रतीक गांधी: आप लोगों ने इस चुनौतीपूर्ण गाने को कितनी आसानी से पेश कर दिया

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के होमग्रोन सिंगिंग रियलिटी शो, 'सुपरस्टार सिंगर 3' ने देश भर से आई युवा सिंगिंग प्रतिभाओं के शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया है। इस वीकेंड, 'श्रीमती स्पेशल' एपिसोड में, प्रतियोगी कालबेलिया लोक नर्तकी और पद्मश्री गुलाबो सपेरा, निर्मला पापड़ वाली और भारतीय नौसेना की सेवानिवृत्त, कमांडर प्रभा लाल सहित विभिन्न क्षेत्रों की दिग्गज महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। 'दो और दो प्यार' की शानदार स्टार कास्ट- विद्या बालन और प्रतीक गांधी भी इस संगीत महोत्सव में मनोरंजन का डोज़ बढ़ाने के लिए खास मेहमान के रूप में शामिल होंगे।
भारतीय नौसेना की सेवानिवृत्त कमांडर प्रभा लाल ने शो की शोभा बढ़ाते हुए गुरुग्राम, हरियाणा के निशांत गुप्ता और कोझिकोड़, केरल की देवनश्रिया के. को अपना समर्थन दिया। अपनी जीवनयात्रा और अपने सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बताते हुए, उन्होंने विद्या बालन की तारीफ की और निशांत व देवनश्रिया से 'मेरे ढोलना' पर परफॉर्म करने का अनुरोध किया। सभी का दिल जीतने वाली प्रतिभा दिखाते हुए, इस डायनेमिक जोड़ी ने, अपने कैप्टन मोहम्मद दानिश के साथ, एक शानदार परफॉर्मेंस दिया और सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस परफॉर्मेंस से हैरान होकर, विद्या बालन ने कहा, 'इस गाने को गाने के लिए धन्यवाद। यह मेरे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है, और मैं बताना चाहती हूँ कि मैं फिल्म भूलभुलैया 3 का फिर से हिस्सा बनूँगी। मैं आप लोगों को सुनकर काफी उत्साहित हूँ। आप दोनों ने बेहद सटीकता से परफॉर्म किया। मैं यह जानने के लिए उत्सुक हूँ कि आप दोनों कितना अभ्यास करते हैं? आपकी परफॉर्मेंस दिग्गज गायकों की तरह लग रही थी, मानो आप सदियों से गाते आ रहे हों। शानदार परफॉर्मेंस, मेरी कामना है कि ईश्वर की आप पर कृपा बनी रहे। पता है, जब मैंने इस गाने पर परफॉर्म किया था, तो मुझे सरगम को याद करने में काफी समय लगा था, और इस गाने पर डांस करने में मुझे दो हफ्ते लग गए थे। और यहाँ आप लोगों ने, गायक के रूप में, केवल चार दिनों में इसमें महारत हासिल कर ली है। यह वाकई प्रभावशाली है।'
इस परफॉर्मेंस से प्रभावित होकर, सुपर जज नेहा कक्कड़ ने कहा, 'वाकई यह पल ऐतिहासिक है! दानिश, वाह, मैं आपकी टीम के अद्भुत परफॉर्मेंस का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी, और आज, आप लोग सभी उम्मीदों को खरे उतरे हैं। दानिश, आपने शानदार काम किया है। और इन दोनों बच्चों को शायद इस बात का एहसास भी नहीं है कि ये कितने लाजवाब हैं। यह लगभग अविश्वसनीय है। इन्होंने बेहद जुनून के साथ गाया और शानदार परफॉर्म किया। मैं अवाक हूँ! आप पर ईश्वर का आशीर्वाद बना रहे। आप दोनों को सुनने का मौका पाकर मैं खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हूँ। आप दोनों न केवल हमारा मनोरंजन कर रहे हैं, बल्कि पूरे देश के बच्चों को भी प्रेरित कर रहे हैं। और दानिश, आपकी सिंगिंग बहुत मधुर और सुंदर थी।'
विद्या के विचारों का समर्थन करते हुए, अभिनेता प्रतीक गांधी ने कहा, 'आप लोगों ने इस चुनौतीपूर्ण गाने को कितनी आसानी से पेश कर दिया। मुझे ऐसा लगता है, जैसे आप कई जन्मों से इस पल के लिए तैयारी कर रहे हैं। साथ ही, आप लोगों के बीच गुरु-शिष्य का रिश्ता वाकई उल्लेखनीय है। दानिश भाई, आपको क्या बेहतरीन टीम मिली है। मैं इस टीम को बड़े मंचों पर परफॉर्म करते देखना चाहूँगा।'
इन जादुई पलों को देखने के लिए, सुपरस्टार सिंगर 3 देखें, हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे, केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर!

कमलनाथ को अनाथ करने की मुहिम

एक निशान और एक विधान की बात करने वाली भाजपा इस समय मध्यप्रदेश में लोकसभा की छिंदवाड़ा सीट जीतने के लिए न केवल पूरी पार्टी की बल्कि प्रदेश की डबल इंजिन की सरकार की प्रतिष्ठा को दांव पर लगा बैठी है। यहां से कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ कांग्रेस के प्रत्याशी हैं। कमलनाथ कांग्रेस के उन नेताओं में से एक हैं जो राजनीति में अजेय रहकर चुनावी राजनीति से बाहर खड़े भाजपा को खीजते देख रहे हैं।

मध्यप्रदेश में लोकसभा की 29 में से 28 सीटों पर चुनाव हो रहा है। एक सीट का चुनाव बसपा प्रत्याशी के निधन की वजह से स्थगित हो गया है।
पिछले लोकसभा चुनाव में [2019] भाजपा ने कांग्रेस के अजेय युवा नेता और केंद्रीय मंत्री रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया को ठीक जिस तरह घेरकर पराजित किया था,उसी तरह से इस बार भाजपा के निशाने पर नाथ परिवार है। सिंधिया अब भाजपा में हैं। कांग्रेस मप्र की प्रतिष्ठापूर्ण लोकसभा सीट को अपने खाते में डालने के लिए पहले कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ को पार्टी में शामिल करने जके लिए उतावली थी, लेकिन ऐन मौके पर पार्टी में उठे विरोध की वजह से ये काम। हो नहीं पाया। अब भाजपा नकुलनाथ के बहाने कमलनाथ की राजनीतिक विरासत को छीन लेना चाहती है।
मध्यप्रदेश में अकेली छिंदवाड़ा सीट ऐसी है जहां दिलचस्प चुनाव हो रहा है। यहां एक तरफ भाजपा की अक्षोहिणी सेना है और दूसरी तरफ कमलनाथ अकेले हैं। कमलनाथ 1980 से छिंदवाड़ा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ते आ रहे हैं और पिछले 44 साल में एक उप चुनाव को छोड़ कमलनाथ यहां से सदैव विजयी रहे। कमलनाथ ने छिंदवाड़ा को 9 बार जीता और जब खुद चुनाव नहीं लड़े तो एक बार अपनी पत्नी अलकानाथ को और एक बार अपने बेटे नकुलनाथ को चुनाव जितवाया। 2014 और 2019 की मोदी लहर में भी छिंदवाड़ा ने नाथ परिवार को ही चुना। छिंदवाड़ा ने अब तक हुए 17 लोकसभा चुनावों में से केवल एक बार भाजपा को मौका दिया था 1997 में, लेकिन बाद में अपनी गलती सुधार ली।
मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव लड़ रहे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की राजगढ़ सीट भी है लेकिन भाजपा का फोकस केवल और केवल छिंदवाड़ा पर है। भाजपा इस बार राजगढ़ की कीमत पर छिंदवाड़ा सीट जीतना चाहती है, क्योंकि भाजपा के भाग्यविधाताओं को लगता है कि मध्यप्रदेश में अब कमलनाथ ही कांग्रेस के सबसे सम्पन्न और ताकतवर नेता बचे हैं। उन्हें राजनीति से बेदखल किये बिना मध्यप्रदेश से कांग्रेस को नेस्तनाबूद नहीं किया जा सकता। कमलनाथ के मुकाबले दिग्विजय सिंह भाजपा को कम खतरनाक नेता लगते है। वैसे भी भाजपा में कमलनाथ के चिंतक कम दिग्विजय सिंह के ज्यादा है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की जोड़ी कभी भी दिग्विजय सिंह के खिलाफ नहीं गयी और आज भी परोक्ष रूप से ये जोड़ी दिग्विजय सिंह की मददगार मानी जाती है।
2019 में करीब 38 हजार वोटों से चुनाव जीतने वाले कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ पर एक बार फिर से कांग्रेस ने प्रत्याशी बनाया है, वहीं भाजपा ने विवेक बंटी साहू को टिकट दिया है। ये वही विवेक हैं जिन्होंने साल 2018 और साल 2023 के विधानसभा चुनाव में कमलनाथ को कड़ी टक्कर दी थी। हालांकि दोनों बार कमलनाथ जीत गए थे। लेकिन वोटों का फासला बेहद कम था। 2018 के चुनाव में कमलनाथ ने 25 हजार और 2023 के चुनाव में 34 हजार वोटों से ही सफलता पाई थी। विवेक साहू पार्टी के जिलाअध्यक्ष भी रहे हैं। छिंदवाड़ा में जहाँ भाजपा ने अपनी प्रतिष्ठा को दांव पर लगा दिया है वहीं कांग्रेस ने कमलनाथ को अकेला छोड़ दिया है। कांग्रेस पूरे प्रदेश में चुनाव लड़ रही है । कांग्रेस को उम्मीद है की भाजपा के छिंडवाड़ा में उलझने का लाभ कांग्रेस को मिलेगा और इस चुनाव में कांग्रेस कम से कम दो अंकों में लोकसभा की सीटें हासिल कर लेगी।
मैं अपने अनुभव से ये कह सकता हूँ कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा जहाँ केवल और केवल प्रधानमंत्री मोदी जी के चेहरे पर चुनाव लड़ रही है वहीं कांग्रेस में अनेक सीटों पर प्रत्याशियों की अपनी भूमिका है, हालाँकि एन मौके पर बसपा ने मध्यप्रदेश में अनेक लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े कर कांग्रेस का खेल खराब करते हुए भाजपा की इमदाद की है। खास तौर पर ग्वालियर-चंबल अंचल में। भाजपा को मप्र से एक भी सीट्ट नहीं मिल सकती लेकिन वो भाजपा का नुकसान कम जरूर कर सकती है।

राकेश अचल
achalrakesh1959@gmail.com

मकान मालिक के भतीजे ने छात्रा से किया दुष्कर्म, फोटो किये वायरल

ग्वालियर। आईटीआई की पढ़ाई करने आई छात्रा को मकान मालिक के भतीजे ने प्यार के जाल में फंसाया और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के रणधीर कालोनी की है। दुष्कर्मी छात्रा को ब्लैकमेल कर उसके साथ तीन साल तक शोषण करता रहा और फिर आरोपी ने छात्रा को बदनाम करने के लिए उसके फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। जब छात्रा को इसका पता चला तो वह थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

इटावा उत्तर प्रदेश निवासी 22 वर्षीय छात्रा आईटीआई ग्वालियर से कर रही है और गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के रणधीर कॉलोनी में किराए का कमरा लेकर रहती है। जिस मकान में छात्रा रहती है वह उम्मेद सिंह तोमर का है और यहां पर रहते हुए उसकी दोस्ती उम्मेद सिंह के भतीजे दीपक तोमर से हुई और उनके बीच बातचीत होने लगी। इसी बीच दीपक ने उससे प्यार का इजहार किया और उसने स्वीकार कर लिया। कई बार दीपक ने उससे संबंध बनाने का प्रयास किया, लेकिन हर बार उसने उसे रोक दिया। वर्ष 2021 में जब वह अकेली थी तो दीपक ने जबरन दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया और उसके फोटो और वीडियो बना लिए। वारदात के बाद आरोपी ने धमकी दी कि अगर इसके बारे में किसी को बताया तो वह उसे बदनाम कर देगा। बदनामी के डर से वह चुप रही तो आरोपी उसका शोषण करता रहा।

जनवरी माह में पीडिता उससे तंग आ गई तो बातचीत करना बंद कर दिया। इसके बाद वह उसे धमकी दे रहा था और संबंध बनाने का दबाव बना रहा था, लेकिन पीडिता ने इनकार कर दिया। दो दिन पहले पीडिता के रिश्तेदारों ने बताया कि उसके फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं और लोग काफी गलत कमेंट्स कर रहे हैं। इसका पता चलते ही पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश में उसके घर पहुंची तो पता चला कि युवती द्वारा मामला दर्ज कराने का उसे पता चला तो वह भाग निकला है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

झूठे सपने दिखाकर दिल्ली ले जाकर किया दुष्कर्म, जीबी रोड पर बेचने का किया प्रयास

ग्वालियर। झूठे सपने दिखाकर एक किशोरी को एक महिला व युवक बहलाकर दिल्ली ले गए। यहां पर उसका सौदा हो पाता उससे पहले ही किशोरी समझ गई और मौका पाकर भाग निकली। आरोपी उसका पीछा कर रहे थे और उनसे बचने के लिए किशोरी ने पुलिस को सूचना दी। मामले का पता चलते ही कोतवाली थाना पुलिस रूड़की पहुंची और किशोरी को बरामद कर लिया है। किशोरी की शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

कंपू निवासी सत्रह वर्षीय किशोरी कुछ दिन पहले गुब्बारा फाटक से लापता हो गई थी। किशोरी के गायब होने का पता चलते ही परिजनों ने उसके गायब होने की शिकायत कोतवाली में दर्ज कराई थी।

पुलिस उसकी तलाश कर रही थी कि तभी पता चला कि किशोरी रूड़की में है और इसका पता चलते ही पुलिस व परिजन रूड़की पहुंचे और किशोरी को अपनी निगरानी में ले लिया है। पुलिस ने जब नाबालिगा से पूछताछ की तो उसने बताया कि कुछ दिन पहले उसकी मूलाकात एक महिला से हुई। महिला ने उसे बताया कि वह स्टेशन के पास रहती है और उसके बाद वह उसे आजाद जिंदगी के साथ ही लुभावने सपने दिखाए और एक युवक के साथ दिल्ली घुमाने की कहकर ले गई। दिल्ली में युवक ने उसके साथ गलत काम किया और युवक व महिला उसे जीबी रोड पर बेचने की योजना बनाने लगे।

गलत काम में उतारे जाने का पता जब किशोरी को चला तो वह वहां से भागने की योजना में जुट गई और आरोपियों को पता नहीं चलने दिया कि उसे उनके मंसूबे पता चल गए है और मौका लगते ही वह वहां से भाग निकली और रूड़की पहुंच गई। यहां पर पहुंचने पर पता चला कि आरोपी उसका पीछा कर रहे है और उनसे बचने के लिए वह पुलिस के पास पहुंची और आपबीती सुनाई। मामला समझ में आते ही रूड़की पुलिस ने कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस के साथ ही किशोरी के परिजन रूड़की पहुंचे और किशोरी को दस्तयाब कर लिया।

यहां पर पुलिस ने पूछताछ के बाद महिला व युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वहीं आरोपी महिला व युवक की तलाश पुलिस कर रही है।

उपद्रव करते हुये युवकों को रोक तो जवान को पीटा, वर्दी फाड़ी

ग्वालियर। बस और बाइक का एक्सीडेंट होने पर हंगामा कर रहे तीन युवकों को समझाने जब पुलिस जवान आया तो युवकों ने जवान से अभद्रता कर माररपीट कर दी और उसकी वर्दी फाड़ दी। घटना बिजौली थाना क्षेत्र के बिल्हेटी की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी वहां से फरार हो गए थे। घायल जवान को पुलिस ने उपचार के लिए भर्ती कराकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

बिजौली थाने में पदस्थ आरक्षक नरेन्द्र सिंह बीते रोज बिल्हेटी स्थित फिक्स प्वाइंट पर तैनात था, वह चेकिंग कर रहा था कि एक बस और बाइक सवार तीन युवक में बहस होते देखकर वह वहां पर पहुंचा, क्योंकि उनकी बहस के कारण जाम लग रहा था। तीनों युवकों ने बस की चाबी निकाल ली थी और बस को जाने नहीं दे रहे थे। यह देखकर नरेन्द्र बस के पास पहुंचा और युवकों को समझाने लगा तो युवकों का कहना था कि बस चालक लापरवाही से चला रहा था और वह हादसे का शिकार होने से बचे हैं। इस पर जवान ने उसकी शिकायत करने की समझाइश दी और बस की चाबी वापस करने को बोला। चाबी वापस करने की सुनते ही युवक जवान से अभद्रता करने लगे और पास पड़ा डंडा लेकर जवान की मारपीट कर दी। जब जवान ने डंडे को पकड़ लिया तो एक आरोपी ने उसके हाथ में काट लिया और उसकी बेरहमी से मारपीट कर उसकी वर्दी फाड़ दी। जिस समय यह घटनाक्रम चल रहा था वहां पर लोगों की भीड़ लगी रही और कोई भी जवान को बचाने नहीं आया। इसी बीच मौका पाकर जवान ने थाने कॉल किया तो थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मी वहां पर पहुंचे। पुलिस को देखते ही आरोपी युवक वहां से भाग निकले और घायल जवान को उपचार के लिए पहुंचाकर पुलिस ने उनके खिलाफशासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

ससुराल में दामाद ने लगाई फांसी

ग्वालियर। मायके में रह रही पत्नी को लेने आए पति से महिला ने कुछ दिन बाद जाने की बोला तो युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना उटीला थाना क्षेत्र के आदिवासी का पुरा की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर शव को पीएम हाउस भेज दिया। फिलहाल पता नहीं चला है कि आत्महत्या की असल वजह क्या है। डबरा निवासी हरिसिंह उम्र 38 साल का विवाह उटीला थाना क्षेत्र के आदिवासी के पुरा निवासी राजाबेटी से हुआ है। पिछ्ले तीन माह से राजाबेटी मायके में रह रही है और हरिसिंह मुरैना में जॉब कर रहा है। चार दिन पहले हरि सिंह राजाबेटी को लेने आया था और राजाबेटी ने कुछ दिन और मायके में रहने को बोला क्योंकि उसके परिवार में शादी है और जाने के बाद उसे तुरंत ही वापस आना पड़ेगा। बीते रोज वह खेतों पर पहुंचा और पास ही लगे एक पेड पर साफी का फंदा बनाया और जान दे दी। घटना का पता उस समय चला जब यहां से लोग निकले तो उनकी नजर उस पर गई। उन्होंने शोर मचाया और पुलिस को सूचना दी।

छात्र लापता, अपहरण का मामला दर्ज

ग्वालियर। रिश्तेदारी में आया पंद्रह वर्षीय किशोर लापता हो गया। घटना बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के घोसीपुरा की है। घटना का पता चलते परिजन थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि फिरोजा बाद निवाासी पंद्रह वर्षीय किशोर घोसीपुरा में आया था और यहां से लापता हो गया है। पुलिस अब उसकी तलाश के लिए सीसीटीवी खंगाल रही है।

दुल्हे की शक्ल पंसद ना आने पर दुल्हन ने तोड़ी शादी

ग्वालियर। जय माला पर दूल्हे की शक्ल देखी तो वधू ने माला फेंक दी और शादी से इनकार कर दिया। घटना उटीला थाना क्षेत्र की है। दुल्हन के इनकार सुनते ही दूल्हा और दुल्हन पक्ष ने लड़की को समझाने का प्रयास किया, लेकिन दुल्हन ने एक नहीं सुनी और शादी से इनकार कर दिया। हंगामा बढ़ा तो पुलिस मौके पर पहुंची और दुल्हन को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह शादी के लिए तैयार नहीं हुई और वापस लौट गई।

अछनेरा आगरा निवासी ममता पुत्री अचल सिंह की सगाई उटीला निवासी अनिल सिंह पुत्र रामेश्वर चौहान के साथ हुई थी। गुरुवार को शादी का संयुक्त कार्यक्रम उटीला में आयोजित हो रहा था। सभी रस्में हंसी खुशी चल रही थीं और बारात आई और दूल्हा स्टेज पर जा बैठा और दुल्हन का इंतजार करने लगा। दुल्हन अपनी सहेलियों के साथ नजरें झुकाए स्टेज पर पहुंची और जयमाला दूल्हें के गले में डालने के लिए जैसे ही उसकी नजर दूल्हे पर गई, उसने जयमाला डालने से इनकार कर दिया। दुल्हन का इनकार सुनते ही खामोशी छा गई और दुल्हन की सहेली व रिश्तेदार उसे समझाने लगे, लेकिन उसने शादी से इनकार कर दिया।

जयमाला ना डालने का पता चलते ही दूल्हा और दुल्हन पक्ष के लोग दुल्हन को समझाने जा पहुंचे और उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन दुल्हन टस से मस नहीं हुई और शादी से इनकार कर दिया। हंगामे का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभालने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बनी, दुल्हन ने बताया जो फोटो उसे दिखाई थी उसमें लड़का अलग था और उसकी सिर्फ फोन पर बात हुई है, इससे वह शादी नहीं करेगी। बात नहीं बनी तो दुल्हन पक्ष ने जो सामान दिया था उसे दूल्हा पक्ष ने वापस कर दिया। इसके बाद दुल्हन अपने परिजनों के साथ वापस लौट गई और विवाह समारोह स्थल सूना हो गया।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान सोते मिले 162 बदमाशों को पुलिस ने पहुंचाया हवालात

ग्वालियर। लोकसभा चुनाव निर्विध्न कराने के लिए पुलिस कमर कस कर तैयार है और चुनाव में बदमाश बदमाशी ना कर सकें, इसके लिए बीती रात पुलिस कप्तान के निर्देश पर जिले में कॉम्बिंग गश्त चलाया। जिसमें पुलिस ने उन बदमाशों को जो पुलिस के लिए चुनौती बने हुए थे उन्हें उनके घर से सोते से दबोचा है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 340 पुराने बदमाशों को चेक कर पूछताछ की है।

एसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि बीती रात पुलिस ने गुण्डे बदमाशों के खिलाफ कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। इस बार पुलिस के निशाने पर वह बदमाश थे जो काफी समय से चुनौती बने हुए थे और कई बार के प्रयास में हाथ नहीं आ रहे थे। पुलिस ने रात 11 बजे से अपना अभियान शुरू किया, जो सुबह छह बजे तक चला, इस दौरान उन पुराने बदमाशों को भी चेक किया गया जो गंभीर मामलों में नामजद थे और उनसे जानकारी ली कि अब उन्होंने बदमाशी छोड़ दी है तो वह क्या कर रहे है और कैसे उनका खर्चा चल रहा है। इस दौरान जो भी सटीक जबाव नहीं दे पाया उसे थाने लाकर पड़ताल की गई। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस ने 19 शराब तस्करों को दबोचा है, जो चोरी छिपे अवैध शराब बेचने का काम कर रहे थे। पुलिस ने इनके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पांच बदमाश हाथ लगे है जो अवैध हथियार लेकर वारदात करने के लिए निकले थे। जिन्हें पुलिस ने हवालात पहुंचाकर पूछताछ शुरू कर दी है कि वह हथियार उन्हें किसने दिए, हथियार लेकर घूमने का क्या कारण है।

कार की टक्कर से बालिका की मौत

ग्वालियर। नरवर से दर्शन कर वापस लौट रही नौ वर्षीय किशोरी को कार सवार ने टक्कर मार दी। घटना चीनौर थाना क्षेत्र के छीमक की है। हादसे का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिये भिजवाकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि भिण्ड निवासी राजेश सिंह अपने परिवार के साथ नरवर दर्शन करने के लिए आए थे और दर्शन करने के बाद वापस लौट रहे थे, छीमक पर उन्होंने अपना वाहन रोका और इसी बीच सड़क पार करते समय कार चालक ने उनकी नौ वर्षीय बेटी रोशनी को टक्कर मार दी। हादसे में रोशनी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिये भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मतदाता जागरूकता के लिये निकाली रैली

ग्वालियर। लोकसभा निर्वाचन में शत प्रतिशत मतदान के लिए जिला प्रशासन, नगर निगम एवं अन्य विभागों द्वारा स्वीप के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता (स्वीप) के तहत मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र-15 ग्वालियर में वृहद मानव श्रृंखलाओं का आयोजन इस्लामपुरा, रामाजी का पुरा, विनय नगर, आनंद नगर, बहोड़ापुर, पीएचई कॉलोनी, लधेडी, काशीनरेश की गली, रानीपुरा, राजामण्डी, सौड़ाकुआं, नरसिहनंगर, भीकम नगर, दुर्गापुरी, शिवनगर शर्मा फार्म नौमहला वार्ड आफिस, गोसपुरा, जेसी मिल लाईन नं0-1, रसूलाबाद, बिरला नगर, रेशममील, कोटावाला मौहल्ला आदि क्षेत्रों में किया गया। इस दौरान क्षेत्रवासियों को मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलवाई गई। महिलाओं व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं आदि द्वारा मानव श्रृंखला का आयोजन कर लोकतंत्र की मजबूती के लिए लोकसभा आम निर्वाचन में मतदान करने की अपील की गई। नोडल अधिकारी जनकल्याण नगर निगम श्रीमती पूर्वी अग्रवाल के निर्देशन में न्यू अशोक नगर गली नम्बर 2 में चुनाव का पर्व देश का गर्व मतदाता जागरूकता गतिविधि अंतर्गत स्कूल के प्राचार्य एवं महिलाओं ने मतदान करने की शपथ ली तथा दूसरों को भी मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। शासकीय प्राथमिक विद्यालय नयापुरा तारागंज मतदान केंद्र 22 एवं 23 के मतदाताओं के साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर कहा कि जो बांटे दारू, साडी, नोट उनको कभी न देंगे वोट, सबका यह अरमान करना सब मतदान, लोकतंत्र की विनती है वोट हमारा कीमती है, मेरा वोट मेरा अधिकार नहीं करूंगा इसको बेकार आदि नारे के साथ सभी को मतदान करने की शपथ दिलाई। इसके साथ ही क्षेत्रीय कार्यालय 21 शिवाजी नगर एवं बाल सदन स्कूल हेम सिंह की परेड ग्वालियर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम एनयूएलएम के सदस्यों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकालकर मतदाताओं को जागरूक किया।

चुनाव में विकलांगजनों की व्यवस्था को लेकर जौहरी ने कलेक्टर को सुझाव पत्र दिया

ग्वालियर। विकलांग, वृद्धजनों को पोलिंग बूथों तक आने जाने की सुगम व्यवस्था किए जाने को लेकर कांग्रेस विकलांग कल्याण प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अनूप जौहरी ने कलेक्टर को एक सुझाव पत्र दिया है।

जौहरी ने कहा कि आगामी 7 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में हर विकलांग एवं वृद्धजनों की आसान पहुंच को दृष्टिगत रखते हुये हर पोलिंग बूथ पर रैम्प बनाए जाने एवं व्हीलचेयर और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाये। पत्र देने वालों में उपाध्यक्ष परमाल सिंह कुशवाह, राजेन्द्र मिश्रा, बंटी श्रीवास, प्रेम चंद उमरिया, लक्ष्मीनारायण, घनश्याम माहौर आदि उपस्थित थे।

दुकानदारों को दी समझाइश, सड़क पर न करें अतिक्रमण

ग्वालियर। निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात एवं नागरिकों की सुविधा के लिए निरंतर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। शहर का यातायात सुगम बना रहे इसके लिए शहरवासियों को भी समझाइश दी जा रही है कि अवैध रूप से सडकों पर अतिक्रमण न करें।

मदाखलत अधिकारी दक्षिण डॉ. अनुज शर्मा ने बताया कि शहर में सुगम यातायात हो इसके लिए प्रतिदिन यातायात में बाधक अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत गोमती की फड़ी मुख्य मार्गों पर दुकानदारों द्वारा नालियों पर किया गया अतिक्रमण हटवाये गए एवं समझाइश दी गई कि आगे से ऐसा अतिक्रमण मुख्य मार्गों पर नहीं किया जाए अन्यथा चालानी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही अन्य प्रमुख बाजारों में भी निरीक्षण कर दुकानदारों को सडक पर अवैध रूप से अतिक्रमण न करने की समझाइश दी गई। कार्यवाही के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अर्जुन दास, जेडएचओ रामचंद धौलपुरिया, डब्ल्यूएचओ राजेन्द्र घई, अजय पवार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेरा देश मेरी शान मेरी संस्कृति मेरी पहचानः बीके विनीता

– विश्व विरासत दिवस पर ब्रह्माकुमारीज केंद्र ने किया कार्यक्रम

ग्वालियर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय की शाखा सती विहार कॉलोनी जगनापुरा किला गेट के द्वारा विश्व विरासत दिवस पर राजयोग एजुकेशन एन्ड रिसर्च फाउंडेशन की शिपिंग एविएशन टूरिजम विंग द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में महाराजपुरा केंद्र प्रभारी बीके ज्योति बहन ने कहा कि जीवन में मानव मूल्यों की अति आवश्यकता है जैसे हमारे देश की संस्कृति है सुबह उठने के साथ धरती माता को चरण स्पर्श कर उठना चाहिए। साथ ही सभी को नमस्ते करने के साथ ही दिन की शुरुआत करना चाहिए, क्योंकि नमस्ते के अंदर ही हमारे जीवन के मूल्य जैसे नम्रता मधुरता सरलता तंदुरुस्ती के गुण छिपे हुए हैं। कार्यक्रम में सेवा केंद्र प्रभारी बीके विनीता बहन ने सभी को मेडिटेशन कराया। कार्यक्रम में चतुर सिंह यादव,

समाजसेवी भूपेंद्र सिंह यादव, बीके विनीता बहन, बीके रीता बहन, प्रीति रजक, विनोद प्रजापति, विष्णु बैस आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार बीके रीता बहन ने किया।

दिग्विजय सिंह के प्रचार में 2 पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद उतरे

ग्वालियर । राजगढ़ संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का प्रचार तेज होता जा रहा है। अब उनके प्रचार में पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव एवं बालेन्दु शुक्ला, ग्वालियर लोकसभा के पूर्व सांसद रामसेवक सिंह एवं कांग्रेस के नेता दशरथ सिंह भी उतर गये है। कांग्रेस नेताओं ने सारंगपुर विधानसभा के ग्राम करोंदी, बुडनपुर, पटाडिया धाकड़, लाटाहेड़ा आदि ग्रामीण क्षेत्रों में जनसम्पर्क किया।

भाविप के तीन सदस्यों का प्रांतीय स्तर पर मनोनयन

ग्वालियर। भारत विकास परिषद के तीन सदस्यों का प्रांतीय स्तर पर मनोनयन हुआ है। ग्वालियर के विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं, संगठनों और भारत विकास परिषद मध्य भारत उत्तर प्रांत आदि में अपनी पहचान बना चुके अशोक गर्ग, जो भारत विकास परिषद शाखा सहयोग के संस्थापक भी है को प्रांतीय टीम द्वारा उत्तर प्रांत का प्रांतीय संयोजक प्रचार प्रसार नियुक्त किया गया है। साथ ही सहयोग शाखा से विभिन्न सामाजिक संगठनों में रहने वाले डॉ. केके गुप्ता को रक्तदान का सह संयोजक और सहयोग शाखा से ही रामनाथ अग्रवाल को नेत्रदान का सह संयोजक बनाया गया है।

प्रवीण पाठक आज विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क करेंगे

ग्वालियर। लोकसभा प्रत्याशी प्रवीण पाठक का 20 अप्रैल शनिवार को परिजन संपर्क कार्यक्रम होगा। शहर कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने बताया कि ब्लॉक कांग्रेस नरवर ग्रामीण के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में संपर्क किया जाएगा, जिसमें प्रातः 9 बजे ग्राम बनियानी, प्रातः 9:30 बजे ग्राम हतेडा, प्रातः 10 ग्राम सीहोर, प्रातः 10:30 बजे ग्राम फूलपुर, प्रातः 11 बजे ग्राम काकर, प्रातः 11:30 बजे ग्राम राधापुर, दोप. 12 बजे ग्राम इमलिया, दोप. 12:30 बजे ग्राम सिमरिया, दोपहर 1 बजे ग्राम पारागढ़, दोप. 1:30 बजे ग्राम ठाठी, दोपहर 2 बजे ग्राम महोवा, दोपहर 2:30 बजे ग्राम मायारामपुर, दोपहर 3 बजे मगरौलनी, दोप. 3:30 बजे ग्राम नरवर में कार्यालय उद्घाटन कार्यक्रम, शाम 4 बजे ग्राम डोंगरपुर, शाम 4:30 बजे ग्राम पनघटा, शाम 5 बजे ग्राम खिरिया, शाम 5:30 बजे ग्राम पनानेर, शाम 6 बजे ग्राम केरुआ, शाम 6:30 बजे हरसी बंधा आदि क्षेत्रों में जनसंपर्क होगा।

डबरा के दो निजी स्कूलों को नोटिस जारी

ग्वालियर। निशुल्क एंव अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत कलेक्टर ने जिले में संचालित अशासकीय विद्यालयों का निरीक्षण स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक ग्वालियर का दल गठित कर कराया गया। ग्लोबल इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल डबरा एवं बालाजी पब्लिक स्कूल डबरा को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

श्रीमद् भागवत गीता सत्संग कल

ग्वालियर। संत बापू आश्रम ग्वालियर में कल 21 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से श्री योग वेदांत सेवा समिति के संचालन में गीता भागवत सत्संग होगा।

जिसमें पधार रहे जाने माने सुप्रसिद्ध संत श्री आशारामजी बापू के दुलारे अखंड ब्रह्मचारी वासुदेवानंद जी का ग्वालियर आगमन पर भव्य स्वागत किया जायेगा। संत आशाराम बापू जन्मोत्सव निमित्त पधार रहे श्री वासुदेवानंद दोपहर बाद मुरैना आश्रम प्रस्थान करेंगे वहां पर सांय कालीन सत्र सत्संग कार्यक्रम होगा। आश्रम में सत्संग निमित्त सभी तैयारियां पूर्ण कर ली है। आश्रम प्रबंधन भाई ने बताया कि बहोड़ापुर बाड़ा मुरार डीडी नगर हजीरा किलागेट से बसों की व्यवस्था भक्तों को आश्रम तक जाने हेतु समिति द्वारा की गई है।

अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन 20 मई से

ग्वालियर। अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन द्वारा अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन 20 मई से शुरू होगा, जो 22 मई तक चलेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने बताया कि अभी तक 111 आयोजन किये जा चुके हैं। परिचय सम्मेलन के माध्यम से अब अग्रवाल बन्धुओं के साथ वैश्य समाज के बन्धुओं को भी जोड़ा है। अभी तक हजारों रिश्ते कराये जा चुके हैं। इसी क्रम में तीन दिवसीय युवक युवती परिचय सम्मेलन 20, 21, 22 मई को तोरण वाटिका महल रोड पर आयोजित किया गया है। परिचय सम्मेलन में देश के किसी भी शहर से अग्रवैश्य बन्धु अपने विवाह योग्य बच्चों का पंजीयन करा सकेंगे। समाजबन्धु सिटी प्लाजा शिन्दे की छावनी पर पंजीयन करा सकते हैं।

मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए की फॉगिंग

ग्वालियर । संक्रामक बीमारियों एवं मच्छरों की रोकथाम के लिए नगर निगम द्वारा सभी वार्डों में फॉगिंग एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 66 शालू पुरा, वार्ड क्रमांक 65 अचलेश्वर नगर, वार्ड क्रमांक 26 में घास मंडी मुरार, वार्ड क्रमांक 27 बारादरी हुरावली रोड, शिवविहार कॉलोनी, चंद्रबदनी नाका, सागरताल, गांधी नगर, अमलतास कॉलोनी, अमर कंटक एंक्लेव, सेवा नगर, गोल पहाडिया सहित विभिन्न क्षेत्रों में फोगिंग कार्य किया गया। इसके साथ ही शहर के अन्य भागों में भी कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया गया।

करौली माता मंदिर पर हुआ भंडारा

ग्वालियर। नवरात्रि पर जहां शहरभर के मंदिरों में पूजा अर्चना के साथ रामनवमीं पर हवन हुआ एवं कन्या भोज के साथ भंडारे का आयोजन किया गया। यहां बता दें कि फालका बाजार स्थित हनुमान नगर में कुछ वर्षो पूर्व रामभक्त द्वारा करौली माता की स्थापना की गई थी। हनुमान नगर महिला मंडल द्वारा यहां आये दिन भजन कीर्तन का आयोजन किया जाता है। नवरात्रि में सुबह शाम पूजा अर्चना एवं भजन संकीर्तन के साथ आरती की गई। वही रामनवमीं पर प्रातः हवन पूजन का आयोजन हुआ और शाम को विशाल भंडारा किया गया।

संपादकीय

आपदा को आमंत्रण

युक्त अरब अमीरात और खाड़ी के कुछ अन्य देशों में अचानक आई भारी व असामान्य बारिश ने इंसान को तमाम सबक दिए हैं। जिन देशों को अपनी समृद्धि व संपन्नता का दंभ था, वहां आई मूसलाधार बारिश ने सारी आधुनिक व्यवस्थाएं ध्वस्त कर दी। दुनिया का सबसे ज्यादा आधुनिक व चहल-पहल वाला दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट अराजकता का शिकार हो गया। सैकड़ों उड़ाने रद्द हो गईं। दुनिया के चोटी के हवाई अड्डों में शामिल जिस दुबई एयरपोर्ट में पिछले साल आठ करोड़ यात्रियों की आमद थी, एक मूसलाधार बारिश से उसकी सारी व्यवस्थाएं चौपट हो चुकी थीं। इस दौरान ओमान में 19 लोगों की मौत के अलावा अन्य देशों में भी लोगों के हताहत होने की आशंका है। बताते हैं कि अभी भी कई निचले इलाकों में बारिश का पानी भरा हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात में पिछले 75 साल बाद रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है। बाढ़ग्रस्त इलाकों में डूबे वाहन और बारह लेन वाले हाईवे पर लगा जाम बता रहा है कि कुदरत की माया के आगे मानव का विकास अभी भी बौना ही है। फिर मध्यपूर्व के रेगिस्तानी इलाकों में मूसलाधार बारिश का होना निश्चित ही अचरज की बात है। अचानक आई इस बारिश और बाढ़ को जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव कहा जा रहा है। लेकिन वहीं लोग आरोप लगा रहे हैं कि यह घटना विशुद्ध रूप से प्रकृति से मानवीय छेड़छाड़ का नतीजा है। आलोचक इस असामान्य बारिश को क्लाउड सीडिंग का नतीजा बता रहे हैं। दरअसल, कृत्रिम तरीके से बारिश कराने की कोशिश को ही क्लाउड सीडिंग कहा जाता है, जिसमें बादल में बारिश के बीज बोने के लिये कृत्रिम तरीके से प्रयास किये जाते हैं। ऐसे कुछ प्रयास यूएई में किये जा रहे थे। एक अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट में बताया गया है कि रविवार व सोमवार को यूएई में क्लाउड सीडिंग की योजना बनायी गई थी और मंगलवार को भयावह बाढ़ के हालात पैदा हुए हैं। आशंका जतायी जा रही है कि क्या कृत्रिम बारिश के प्रयासों के चलते यह स्थिति पैदा हुई है?

बहरहाल, आने वाले वक्त के अध्ययन हमें बताएंगे कि इस आपदा के आने में क्लाउड सीडिंग की कितनी भूमिका थी। वैसे दुनिया के तमाम देशों में संकट के समय क्लाउड सीडिंग कराने के मामले सामने आते रहते हैं। किन्हीं देशों में सामरिक तो कहीं कृषि उद्देश्यों के लिये कृत्रिम बारिश का सहारा लिया जाता है। लेकिन जलवायु परिवर्तन के चलते बदले हालात में यह संकट गहरा हो जाता है। उल्लेखनीय है कि कृत्रिम बारिश का सहारा तब लिया जाता है, जब हवा की नमी की कमी के चलते बारिश नहीं हो पाती। भारत में साठ के दशक में कृत्रिम बारिश का प्रयोग किया गया था। दरअसल, बारिश के बीजों के रूप में सिल्वर आयोडाइड, पोटेशियम क्लोराइड व सोडियम क्लोराइड जैसे पदार्थों का उपयोग किया जाता है, जिनका हवाई जहाज की मदद से बादलों में छिड़काव किया जाता है। इससे बर्फ के कण बादलों की नमी के साथ मिलकर बारिश होने की प्रक्रिया को अंजाम देते हैं। दरअसल, आधुनिक विकास के मोह में संयुक्त राज्य अमीरात अपने व्यापारिक उद्देश्यों व नागरिकों के लिये पानी की कमी को पूरा करने के लिये इस तकनीक का उपयोग करता रहा है। ऐसे ही भारत में नब्बे के दशक में तमिलनाडु में भयंकर सूखे से निपटने के लिये क्लाउड सीडिंग तकनीक का उपयोग कई बार किया गया था। वहीं चीन ने भी बीजिंग में आयोजित ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों के दौरान पर्यावरण प्रदूषण दूर करने के लिये क्लाउड सीडिंग तकनीक का इस्तेमाल किया था। बहरहाल, यूएई, ओमान व सऊदी अरब जैसे इलाकों में ऐसी भारी बारिश हमारे नीति-नियंताओं को विकास योजनाओं को लेकर नये सिरे से विचार करने को मजबूर कर रही है। इन देशों को अपनी सड़कों व अन्य विकास कार्यों को अब बारिश के ऐसे संकट को नजर में रखकर तैयार करना होगा। साथ ही मनुष्य को इस तथ्य को गंभीरता से स्वीकारना होगा कि प्रकृति के साथ अन्याय करने पर हमें उसका प्रतिकार सहने के लिये तैयार रहना होगा।

बुद्धिहीन उपभोक्तावाद की आसक्ति से नहीं मिलेगी खुशी

ऐसा नहीं है कि मुझे अर्थपूर्ण, सतत और करुणामय जीवन के लिए आत्मविश्लेषण या अंदरूनी शांति के महत्व से इंकार है। जहां उचित मात्रा में आर्थिक सुरक्षा और राजनीतिक स्वतंत्रता हमारे रोजमर्रा के जीवन को कुछ आरामदायक बनाती है वहीं हम एक अधिक अर्थपूर्ण और शांतिपूर्ण वजूद की ओर नहीं बढ़ सकते, जिसके बिना मैं जीवन को धर्मनिष्ठ नहीं कह सकता। उदाहरणार्थ, यह धर्मनिष्ठा जीवन जीने के ढंग में, गैर-उपभोक्तावाद अवस्था की कला विकसित करने के बारे में हैं।

हालांकि हम लोग एक भयावह रूप से हिंसाग्रस्त विश्व में जी रहे हैं, वह जिसमें लगातार होने वाले युद्ध, सैन्यीकरण, नए किस्म का अधिनायकवाद, बढ़ती आर्थिक असमानता, पर्यावरण संकट और सामाजिक कारणों से बना मानसिक संताप इसका चरित्र बन गया है। और मानो इन सबके बीच 'खुशी' ढूंढ़ना एक अनन्त खोज बन गई है। आधुनिक काल में, हमें गुणा-भाग वाली सूक्ष्मता से प्यार हो गया कि तुर्रा यह कि खुशी जैसे उच्च गुणवत्तापूर्ण और आत्मनिष्ठ अनुभव को भी हमने नापने-तोलने की चीज़ बना डाला है। हर साल, संयुक्त राष्ट्र सतत विकास उपाय नेटवर्क एक सूची जारी कर, विभिन्न मुल्कों का पदानुक्रम तय करता है जो उसके हिसाब से मापने लायक 'खुशी सूचकांक' पर आधारित हैङ्क इस निर्धारण में सकल घरेलू उत्पाद, आयु दीर्घता, राजकीय कामकाज दक्षता, स्वतंत्रता, सामाजिक संबल (परोपकारी व्यवहार) को गिना जाता है। जहां फिनलैंड पिछले सालों की भांति 'सबसे खुश' देश है वहीं विश्व खुशी रिपोर्ट-2024 में भारत का स्थान 143 देशों में 126वां है।

खैर, मैं इस किस्म की रिपोर्ट के गुण-दोषों को पूरी तरह खारिज भी नहीं करता। बेशक, एक उचित मात्रा में सामाजिक सुरक्षा, राज्य द्वारा चलाई जाने वाली सामाजिक भलाई नीतियां, अच्छी मेडिकल सुविधाएं, रोजगार उपलब्धता, संवाद की मौजूदगी वाला समाज और राजनीतिक स्वतंत्रता रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ हद तक संतोष पैदा करते हैं। तथापि, यहां यह अहसास भी उतना ही जरूरी है कि 'शुद्ध खुशी' जैसी कोई चीज़ नहीं हो सकती, क्योंकि उल्लास के हमारे सबसे बढ़िया लम्हे और संतोष भी कुछ हद तक आशंका से जुड़े होते हैं, मसलन, जो कुछ हमारे पास है उसे खोने का डर, चाहे यह भौतिक संपदा, शरीर की तंदुरुस्ती हो या फिर प्रियजनों का साथ छूटने का भय। ताजिंदगी हम 'सम्पूर्ण खुशी' के पीछे भागते रहते हैं, लेकिन फिर भी यह हाथ नहीं आती। कोई हैरानी नहीं कि हमारे इस काल में जीवन जीने का ढंग सिखाने वाले, प्रेरणास्पद भाषणकर्ता और आध्यात्मिक बाबाओं की कोई कमी नहीं, जो बारम्बार हमें एक खास तकनीक पर चलने की सीख देते हैं, मसलन, समाधि अभ्यास, श्वास साधक व्यायाम, सचेतन होना इत्यादि ङ्क'खुश' व 'सफल' होने के मकसद हेतु।

लेकिन फिर, यह समझना चाहिए कि खुशी की प्राप्ति कैप्सूल खाने जैसा एक त्वरित उपाय नहीं है, जिसकी खुराक किसी स्व-सहायता पुस्तक या आश्रम अथवा मठ के विशेष सत्रों में भाग लेकर मिले। तथ्य तो यह है कि यदि सच में हम एक आडम्बरहीन, शांतिपूर्ण और संतोष से परिपूर्ण दुनिया की ओर बढ़ना चाहते हैं तो हमें स्व और दुनिया अथवा राजनीति और अध्यात्म के बीच पुल बनाना होगा। उदाहरणार्थ, जरा सोच कर देखिए, जो व्यक्ति भूख, कुपोषण और सिर पर छत न होने से बेहाल है उसको संचेतना सिखाने की बेवकूफी (बुरे अनुभवों से बने संताप या अस्थिर भविष्य की आशंका को नज़रअंदाज कर वर्तमान में जीने की समर्था बनाए)। या फिर उस मानसिक हिंसा के बारे में सोचिए जो एक बेरोजगार युवा के मानस पर चोट करती है, जब नौकरी पाने में कंपनी दर कंपनी से अस्वीकृति झेलनी पड़े, तिस पर आप उसे सबसे अधिक बिकने वाली स्व-सहायता किताब 'मैं ठीक हूं- आप ठीक हैं' जैसी कोई पुस्तक पढ़ने को कहें ताकि 'अच्छा' और 'सकारात्मक' महसूस का भ्रम पाले। यह ठीक उतना ही बेवकूफाना है जब किसी बेघर को या जो पहले से झुग्गी में रह रहा है, उसे न्यूनतम साधनों में जीवन जीने का प्रवचन दिया जाए। राजनीतिक व आर्थिक असमानता की नींव को बदले बिना हम अ गैर-बराबर व शोषण करने वाली दुनिया को बदलकर संतोष की ओर नहीं बढ़ सकते।

इसी प्रकार जैसा कि 'भारत रोजगार रिपोर्ट 2024' बताती है कि भारतीय युवाओं में 83 प्रतिशत बेरोजगार हैं या जब 'द राइज़ ऑफ बिलिनियर्स राज' नामक शोध-पत्र कहे कि भारत के चोटी के 1 फीसदी अमीरों के हाथ में 40 प्रतिशत आम लोगों के बराबर सरमाया है, तो एक आम भारतीय को महसूस हो रहे संताप, भय और आशंका का अंदाजा लगाना कठिन नहीं। भले ही हमारे पास हज़ारों की संख्या में बाबा, गुरु और स्व-सहायता सिखाने वाले हों, जो मोक्ष प्राप्ति की जुगत के तौर हमें नाना किस्मों की घुट्टी पिलाते हैं, तथापि अलफ सच्चाई है कि हमारा देश नाखुश मुल्क है। संभवतः हमारे समाज में राजनीतिक-आर्थिक पुनर्संरचना किए बिना हम वैसा सामाजिक परिवेश नहीं बना सकते, जो यथेष्ट संतोष से परिपूर्ण लोगों की तरक्की अनुकूल हो।

ऐसा नहीं है कि मुझे अर्थपूर्ण, सतत और करुणामय जीवन के लिए आत्मविश्लेषण या अंदरूनी शांति के महत्व से इंकार है। जहां उचित मात्रा में आर्थिक सुरक्षा और राजनीतिक स्वतंत्रता हमारे रोजमर्रा के जीवन को कुछ आरामदायक बनाती है वहीं हम एक अधिक अर्थपूर्ण और शांतिपूर्ण वजूद की ओर नहीं बढ़ सकते, जिसके बिना मैं जीवन को धर्मनिष्ठ नहीं कह सकता। उदाहरणार्थ, यह धर्मनिष्ठा जीवन जीने के ढंग में, गैर-उपभोक्तावाद अवस्था की कला विकसित करने के बारे में हैं। भोजन, आवास, जीवन-पुष्ट शिक्षा, राजनीतिक स्वतंत्रता और विरक्ति न बनाने वाले काम जैसी मूलभूत जरूरतों को लालच के वायरस के मोहपाश में जा फंसने से अलहदा कर पहचानना होगाङ्क वह लालच जिसका बाजार-चालित समाज ने सामान्यीकरण कर दिया है।

हां, उस समाज में कभी खुशी नहीं हो सकती जो नवउदारवादी बाजार द्वारा उत्पादित नित नए फैशनों या नई वस्तुओं के प्रति बुद्धिहीन उपभोक्तावाद या निरंतर बढ़ती आसक्ति के सिद्धांत को मान्यता दे। लालसा की यह प्रवृत्ति शांति और धीरज को भंग करती है । इसकी बजाय व्यक्ति में ईर्ष्या, अशांति और पीछे छूट जाने का भयंकर डर बनाती है। इसी प्रकार, दूसरों से जुड़े रहने वाले स्व को विकसित करने की कला भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैङ्क वह स्व जिसे दिखने में साधारण से कामों में भी बहुत आनंद मिलता होङ्क जैसे कि दोस्तों से बिना स्वार्थ मिलना या पहाड़ी इलाके में सैर और प्रकृति की अनंतता की झलकी का अनुभव करना। यह बेशक साधारण लगे लेकिन फिर भी सर्जनात्मकता के अतिरेक से लबरेज होती है, वह जो हमें निरंतर ललचाने और बहकाने वाली बाजारीकरण संस्कृति से उपजी मिथकीय 'सफलता' या 'अति उत्तम और खुशी' वाली जिंदगी की मरीचिका से पीछे भागने की लालसा से मुक्त रहने में मददगार होती है।

जीवन की धर्मनिष्ठा को जरूरत है हमारे अस्तित्व में अंतर्निहित उदासी को अंगीकार करने के साहस की। यह 'सब कुछ हमारे बस में नहीं' को स्वीकार करने जैसा है। जो कुछ हम थामकर रखना चाहते हैं वह चलायमान और अस्थाई है। बिना पूर्व सूचना घटित अकल्पनीय दुर्घटनाएं और शोकाकुल प्रसंग हमारे अस्तित्व को झिंझोड़ सकते हैं, मौत की सच्चाई से कोई नहीं बच सकताङ्क जो कि हमारे फुलाए अहम की व्यर्थता की अंतिम परिणति है।

आज का इतिहास

- जहांदर शाह 1712 में दिल्ली की गद्दी पर बैठा।
- न्यूयॉर्क ने 1777 में एक स्वतंत्र राज्य के रूप में नया संविधान अपनाया।
- उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में 1888 में ओले गिरने से 246 लोगों की मौत।
- अलबामा और मिसीसीपी में 1920 में आये तूफ़ान से 220 लोगों की मौत।
- जर्मनी में तानाशाह एडोल्फ हिटलर के 50वें जन्मदिन को 1939 में राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया गया।
- सन 1940 में आरसीए द्वारा पहला इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप दिखाया गया था।
- कोरिया और संयुक्त राष्?ट्र सेना के बीच 1953 में बीमार युद्ध बंदियों का आदान प्रदान हुआ था।
- एयर इंडिया के बेड़े में 1960 में पहला जेट विमान बोइंग 707 शामिल हुआ।
- भारत ने 1971 में अपना पहला टेस्ट क्रिकेट मैच जीता।
- अपोलो-16 अभियान 1972 में छह घंटों तक संकट से जूझने के बाद चंद्रमा पर उतर गया। जॉन यंग और चार्ल्स ड्यूक की टीम चंद्रमा पर उतरने वाली इतिहास की पांचवीं टीम बनी।
- कनाडा का 卐एएमआईके ए-2卐 1973 में पहला व्यावसायिक उपग्रह बना।
- सोवियत वायुसेना ने 1978 में दक्षिण कोरियाई यात्री विमान संख्या 902 पर गोलीबारी करके उसे गिराया।
- दुनिया का सबसे बड़ा मेला 1992 में एक्सपो '92, सेविले, स्पेन में खोला गया।
- श्री इन्द्र कुमार गुजराल 1997 में भारत के 12वें प्रधानमंत्री बने।
- जर्मनी के पूर्व चांसलर हेल्मुट कोल को 1999 में अमेरिकी सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' से सम्मानित।
- 1999 में अमरीकी नगर डेनवर के कोलंबाइन स्कूल में हाई स्कूल के दो छात्रों ने अंधाधुँध गोलीबारी में 25 लोगों को मार दिया था।
- भारत ने 2006 में अपना पहला विदेशी सैन्य अड्डा ताजिकिस्तान में स्थापित करने की घोषणा की।
- महाराष्ट्र भाजपा के नेता व राष्ट्रीय महासचिव गोपीनाथ मुण्डे ने 2008 में अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया था।
- अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर नौ दिन बिताने के बाद 2008 में पहले दक्षिण कोरियाई अंतरिक्ष यात्री यीसोयओन पृथ्वी पर सकुशल लौटे।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के उपग्रह प्रक्षेपण यान 'पीएसएलवी' ने 2011 में तीन उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित किया।
- अमेरिकी मीडिया ने 2012 में भारत के अग्नि-5 मिसाइल के सफल परीक्षण पर कहा है कि इससे भारत को उसके पड़ोसी देश चीन के बराबर में खड़ा कर दिया है।
- अंग्रेजी के प्रसिद्ध कवि जॉन इलियट का जन्म 1592 में हुआ।

राजनीतिक शुचिता अब मतदाताओं की जिम्मेदारी

यह गाथा काल्पनिक नहीं वास्तविक है। 1997 की है जब देश की स्वतंत्रता के पचास वर्ष पूरे हुए तब अनेक सामाजिक, शैक्षणिक संस्थानों ने एक ही विषय पर चर्चा परिचर्चा करवाई थी कि स्वतंत्रता के पचास वर्षों में भारतीय राजनीतिक और सामाजिक जीवन में कितना बदलाव आया। देश का विकास कितना हुआ। भारत में शिक्षा का प्रसार कितना हुआ। महंगाई बढ़ी या घटी? गरीबों को गरीबी से कुछ छुटकारा मिला है या नहीं? प्रश्न बार- बार यह भी किया जा रहा था कि 1997 में देश के गरीबी रेखा से नीचे नारकीय जीवन जीने वाले कितने ऐसे भाग्यशाली हैं जो यह रेखा पार करके सम्मानजनक वातावरण में सांस लेने लगे हैं। हर सेमीनार, विचार गोष्ठी, स्कूलों-कालेजों के मंचों में वाद- विवाद प्रतियोगिताओं में यही प्रश्न छाए रहते थे। आज की तारीख में हर राजनीतिक दल में विभीषण ही विभीषण हैं। 1967 से लेकर दल बदलना और उनको आया राम गया राम भी विशेषण से अलंकृत करना जनता का मुहावरा बन गया है, पर जैसे- जैसे हम शिक्षित हो रहे हैं लोकतंत्र का महत्व संभवतः कागजों और भाषणों में ही समझने लगे हैं। अनपढ़ नहीं शिक्षित जनप्रतिनिधि बन रहे हैं। ऐसे वातावरण में आस्था, विश्वास, वफादारी जैसे शब्द राजनीतिक जीवन से लगभग गायब हो गए हैं। मुझे तो ऐसा लगता है कि इस अमृत महोत्सव में जितना प्रदूषण अविश्वास राजनीति के क्षेत्र में और सभी राजनीतिक दलों में फैल रहा है वैसा तो स्वतंत्रता के पूर्व किसी ने नहीं सोचा होगा। न फांसी पर हंस- हंस कर झूलने वाले भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, मदनलाल ढींगरा इत्यादि ने और न ही काले पानी की यातनाओं से जूझने वाले वीर सावरकर और उसके साथी क्रांतिवीरों ने।

राजनीति को प्रदूषित करने में किसी एक दल एक व्यक्ति या एक प्रांत की कोई विशेष चर्चा नहीं। पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक राजनीति की दलदल में ऐसे लोगों का बोलबाला हो गया जिनका कोई चरित्र ही नहीं है। चुनावी रण में जाने के लिए एक डंडा तो हाथ में रखते हैं। उस पर झंडा किसका लगेगा यह सुविधानुसार तय कर लिया जाता है। कौन नहीं जानता कि यह दल बदलने वाले बहुत बहादुर हैं। कितनी भी निंदा हो जाए उन्हें कोई अंतर नहीं पड़ता। जिस वाणी वीरता से वे पहले विरोधियों पर चुनावी वार प्रहार करते थे वही उनकी वाणी वीरता तब देखने को मिलती है जब दल बदलकर उस पार्टी में चले जाते हैं जिसे पहले देश विरोधी, जनविरोधी और लोकतंत्र की हत्या करने वाले कहते थे। ऐसे लोग आज भी संसद में हैं। अब पुनः चुनावी रण में अपनी वीरता दिखाने को तैयार हैं, जो भगवान श्रीराम जी का, भगवान विष्णु और माता सीता का अपमान संसद में करते रहे। व्हिस्की में विष्णु बसे, रम में बसे श्रीराम, जिन में माता जानकी.. कहते हुए उनकी जुबान न लड़खड़ाई, न कांपी और उनके हर दुवर्चन पर, हर कथन पर तालियां बजाने वाले भी पीछे बैठे मुस्कुराते रहे, तालियां बजाते रहे, लेकिन उन्होंने ही जब दल बदला तो फिर उनको अपना भविष्य रामजी में ही दिखाई दिया। फिर राम रम में बसे और विष्णु व्हिस्की में बसे नहीं दिखाई दिए, बल्कि राम जी अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद भक्तों के लोक परलोक के आश्रय बने दिखाई देने लगे। राम जी तो हर भारतीय के मानस में बसे ही हैं, पर इन दल बदलुओं की केवल जुबान में हैं, दिल में तो संसद की सदस्यता पा लेना बसा है। एक नहीं, अनेक हैं और कुछ ऐसा बुरा नियम है कि भीड़ जो काम कर दे वह अपराध योग्य नहीं माना जाता। अब दल बदलने वालों की भीड़ है। यह ठीक है कि सत्तापतियों की ओर दल बदलुओं का झुकाव एकदम ज्यादा रहता है। झारखंड की सीता सोरेन शरण लेने के लिए संसद टिकट का समझौता करके ही सत्तापतियों की शरण में गई।

महाराष्ट्र में तो कमाल हो गया। एक राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष और प्रदेश के मुख्यमंत्री डूबते को तिनके का सहारा अन्यथा जांच एजेंसियों का घेरा समझकर ही लाभकारी समझौता कर गए। दल बदलने के बाद जो नया सूर्य निकला तब तक वे राज्यसभा में पहुंच गए। पंजाब में भी क्या हो रहा है। एक कांग्रेसी हारा हुआ विधायक पंजाब की सत्ता पार्टी ने संसद में पहुंचा दिया। बहुत अधिक मतों के साथ और और सांसद महोदय दल बदलते समय इतना समय भी नहीं लगाया जितना पुराने कपड़े उतारकर नए कपड़े पहनने में लगता है। भगवान श्रीकृष्ण जी ने यह कहा था कि जैसे शरीर पुराने कपड़े बदलकर नए पहनता है, वैसे ही आत्मा पुराना शरीर छोड़कर नया शरीर प्राप्त करती है, पर भगवान श्रीकृष्ण जी ने यह कभी सोचा ही न होगा कि पुरानी पार्टी छोड़कर नई पार्टी ग्रहण करने वाले तो उतना समय भी नहीं लगाते जितना कपड़े बदलने में लगता है। हिमाचल में क्या हुआ था जो नौ विधायक अपने राज्यसभा उम्मीदवार के साथ डिनर भी कर गए और स्वाद नाश्ता बिना कीमत दिए खा गए वही भोजन के साथ ही वफादारी भी पचा गए और दूसरी पार्टी के खेमे में पहुंच गए। भारत के उत्तर पूर्व में भी ऐसा हो रहा है। यूपी में, बिहार में तो सारे रिकार्ड ही तोड़ दिए। बिहार में एक व्यक्ति ने दल नहीं बदला, पूरे की पूरी सरकार ही बदल गई, पर नहीं बदला तो चेहरे का मुस्कुराना, लच्छेदार भाषण, आरोप-प्रत्यारोप अंतर इतना था कि तीर के निशाने बदले, डंडे के झंडे बदले और आज तक दल बदलने वाले अपने अपने भविष्य अगली पीढ़ियों के राजनीतिक भविष्य की चिंता करते हुए नई नई पार्टियां खोज रहे हैं। पंजाब में भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी ज्यादा इम्पोर्टेड हैं। उनके पुराने राजनीतिक भागीदारों के भी। इसलिए अगर आज मुझे कोई पूछे कि अमृत महोत्सव के बाद अर्थात भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के बाद देश में क्या परिवर्तन आया। देश में तो आया है, विकास हुआ है। अगर कोई नया गीता ग्रंथ भगवान श्रीकृष्ण दुनिया को सुनाएंगे तो उसमें यह जरूर लिखेंगे जिस प्रकार शरीर पुराने कपड़े बदलता है वैसे ही राजनीति के खिलाड़ी दल बदलते हैं। यहां तो वे भी नेता पूरी तरह जिंदगी का आनंद ले रहे हैं जिन्होंने कहा था मर जाऊंगा, दल नहीं बदलूंगा। यह कहिए राजनीति की रीत यही बनाई वचन जाए पर गद्दी न जाई।

कई आशंकाओं से भरा खतरनाक रास्ता!

बीते कुछ सालों में विद्यालयों में बच्चों का पंजीकरण बढ़ा है। स्कूल में ब्लैक बोर्ड, शौचालय, बिजली, पुस्तकालय जैसे मसलों से लोगों के सरोकार बढ़े हैं, लेकिन जो सबसे गंभीर मसला है कि बच्चे स्कूल तक सुरक्षित कैसे पहुंचें? इस पर न तो सरकारी और न ही सामाजिक स्तर पर कोई विचार हो पा रहा है।

हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के कनीना में सड़क हादसे में 6 बच्चों की मौत हो गई। 15 से अधिक बच्चे गंभीर रूप से घायल हैं। चूंकि माहौल चुनाव का है सो प्रधानमंत्री से लेकर विधायक तक सक्रिय हो गये। कुछ कार्रवाई होती भी दिख रही है। जो बस सड़क पर चल रही थी, उसका अनफ़िट होने के कारण एक महीने पहले भी 15 हजार का चालान हुआ था। सब जानते थे कि बस चलाने वाला शराब पिए है और उसकी ड्राइविंग बेलगाम थी, इसके बावजूद बस सड़क पर चलती रही। अभी इस दुर्घटना के बाद सड़कों पर बसों की जांच और चालान की औपचारिकता चल ही रही थी कि यमुनानगर में स्कूली बच्चों से भरा एक तिपहिया पलट गया, जिसमें एक बच्ची की मौत हो गई। सात बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं। जो वाहन महज तीन सवारी के लिए परमिट प्राप्त है, उसमें 12 से अधिक बच्चे भरे थे। सड़क पर चलने के लिए नाकाबिल वाहन, क्षमता से अधिक बच्चे, बेतहाशा गति, अकुशल चालकङ्क स्कूल जाने वाले बच्चों को लाने ले जाने में लिप्त वाहनों के मामले में सारे देश की यही एक-सी तस्वीर है।

दिल्ली के वजीराबाद पुल पर लुडलो केसल स्कूल की बस के दुर्घटनाग्रस्त होने पर 28 बच्चों की मौत के बाद सन? 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूली बसों के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे। इसके अनुसार स्कूल बस पीले कलर की होनी चाहिए। इसके साथ ही उस पर स्कूल बस जरूर लिखा होना चाहिए। बस में फर्स्ट-एड बॉक्स होना जरूरी है और बस की खिड़की में ग्रिल लगी होनी चाहिए। इसके साथ ही बस में आग बुझाने वाला यंत्र भी लगा होना चाहिए। स्कूल बस पर स्कूल का नाम और टेलीफोन नंबर भी होना चाहिए। यही नहीं, दरवाजों पर ताले लगे हों और बस में एक अटेंडेंट भी हो। सबसे बड़ी बात कि अधिकतम स्पीड 40 किलोमीटर प्रति घंटा होनी चाहिए। यह निर्देश दिल्ली में ही हवा-हवाई हैं।

और अब तो स्कूल पहुंचने की राह में बड़ा खतरा ओमनी वैन हैं जिसमें अतिरिक्त सीटें लगा कर क्षमता से दोगुने नहीं तीन गुणा अधिक बच्चे बैठना, उनकी अंधाधुंध स्पीड और सबसे अधिक उसके चालकों का संदिग्ध व्यवहार नए किस्म का खतरा है। देश में आए रोज बच्चों के यौन शोषण में ऐसे वाहन चालकों की संलिप्तता सामने आती है। बसों के मामलों में तो स्कूल को जिम्मेदार बना दिया जा सकता है लेकिन वैन में ओवर लोडिंग, दुर्व्यवहार और दुर्घटना होने पर स्कूल हाथ झटक कर अलग हो जाते हैं। बीते कुछ सालों में बैटरी चालित रिक्शा स्कूल की राह का एक खतरनाक साथी बना है। इसमें बेशुमार संख्या में बच्चों को भरना, प्रतिबंधित या तेज गति के वाहनों वाली सड़क पर संचालन करना और अनाड़ी चालक होने के कारण इनके खूब एक्सीडेंट हो रहे हैं।

बीते कुछ सालों में विद्यालयों में बच्चों का पंजीकरण बढ़ा है। स्कूल में ब्लैक बोर्ड, शौचालय, बिजली, पुस्तकालय जैसे मसलों से लोगों के सरोकार बढ़े हैं, लेकिन जो सबसे गंभीर मसला है कि बच्चे स्कूल तक सुरक्षित कैसे पहुंचें? इस पर न तो सरकारी और न ही सामाजिक स्तर पर कोई विचार हो पा रहा है। इसी की परिणति है कि आए रोज देशभर से स्कूल आ-जा रहे बच्चों की जान जोखिम में पड़ने के दर्दनाक वाकिये सुनाई देते रहते हैं। परिवहन को प्रायः पुलिस की ही तरह खाकी वर्दी पहनने वाले परिवहन विभाग का मसला मान कर उससे मुंह मोड़ लिया जाता है। दरअसल बढ़ते पंजीकरण को देखते हुए बच्चों के सुरक्षित, सहज और सस्ते आवागमन पर जिस तरह की नीति की जरूरत है, वह नदारद है।

निजी स्कूलों में हजारों बच्चे पढ़ते हैं, स्कूलों की अपनी बसों की संख्या सीमित हैं, औसतन 1000-1500 बच्चे इनसे स्कूल आते हैं। शेष का क्या होता है? यह देखना रोंगटे खड़े कर देने वाला होता हैं। पांच लोगों के बैठने के लिए परिवहन विभाग से लाइसेंस पाए वैन में 12 से 15 बच्चे ठुंसे होते हैं। बैटरी रिक्शे में दस बच्चे 'आराम' से घुसते हैं। दुपहिया पर बगैर हैलमेट लगाए अभिभावक तीन-तीन बच्चों को बैठाए रफ्तार से सरपट होते दिख जाते हैं। रोज एक्सीडेंट होते हैं, क्योंकि यही समय कालोनी के लोगों का अपने काम पर जाने का होता है।

क्या अमेरिका से बच जाएंगे जूलियन असांजे?

अमेरिका का तर्क रहा है कि विकिलीक्स के खुलासों ने उसके एजेंट्स की जान को खतरे में डाल दिया और इस अपराध के लिए कोई बहाना नहीं है। असांजे के कई समर्थक उन्हें 'सत्ता-विरोधी हीरो' मानते हैं जिन्हें पत्रकार होने के बावजूद अमेरिका के गलत कामों और कथित युद्ध अपराधों को उजागर करने के लिए सताया जा रहा है।

कुछ के लिए नायक, कुछ के लिए खलनायक। कुछ कहते हैं, उनको नोबेल मिलना चाहिए। कुछ कहते हैं, उनको गोली मार देनी चाहिए। कुछ लोगों की नज़र में वो क्रांतिकारी हैं। कुछ उसको सनकी और अपराधी मानते हैं। इसी द्वंद्व के केंद्र में खड़े जूलियन असांजे एक बार फिर से चर्चा के केंद्र में हैं। क्या अमेरिका जूलियन असांजे को माफ कर देगा या फिर उसे दंडित करने के लिए कुछ करेगा। अमेरिका में असांजे के ऊपर सीक्रेट जानकारियां लीक करने, अमेरिकी नागरिकों की जान ख़तरे में डालने समेत 18 संगीन आरोप लगे हैं। आरोप साबित हुए तो उनको 175 बरस तक की जेल हो सकती है। असांजे के वकील कहते हैं, अमेरिका में उनकी जान को ख़तरा है। वहां उनकी हत्या कर दी जाएगी। इसी आशंका के बिना पर वे असांजे का प्रत्यर्पण रुकवाने की कोशिश कर रहे हैं।

इस सप्ताह व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति जोसेफ बाइडेन की टिप्पणी, कि उनका प्रशासन विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे के खिलाफ आरोप वापस लेने के लिए ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ के अनुरोध पर ÷विचार÷ कर रहा है, ने उनके परिवार और उनके परिवार के लिए आशा की किरण भेज दी है। असांजे, एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक, ब्रिटेन की बेलमार्श जेल में हैं, और ब्रिटिश अदालत के फैसले का इंतजार कर रहे हैं कि क्या वह 2022 के प्रत्यर्पण आदेश के खिलाफ अपील कर सकते हैं जो उन्हें अमेरिकी सरकार और राजनयिक के प्रकाशन के लिए गंभीर आरोपों का सामना करने के लिए अमेरिका भेजेगा। 2010 में केबल। अदालत का आदेश 20 मई को आना है, और उसने अमेरिका से यह आश्वासन मांगा है कि उसे मौत की सजा का सामना नहीं करना पड़ेगा। 52 वर्षीय श्री असांजे को शरण मांगने और गिरफ्तारी के दौरान पहले ही काफी सजा मिल चुकी है, और, उनके परिवार के अनुसार, वह बहुत बीमार हैं और प्रत्यर्पित किए जाने को लेकर चिंतित हैं। श्री असांजे को बलात्कार और हमले के लिए स्वीडिश वारंट का सामना करना पड़ा है, उन्होंने आरोपों से इनकार किया और मामला हटा दिया गया।

अमेरिका का तर्क रहा है कि विकिलीक्स के खुलासों ने उसके एजेंट्स की जान को खतरे में डाल दिया और इस अपराध के लिए कोई बहाना नहीं है। असांजे के कई समर्थक उन्हें 'सत्ता-विरोधी हीरो' मानते हैं जिन्हें पत्रकार होने के बावजूद अमेरिका के गलत कामों और कथित युद्ध अपराधों को उजागर करने के लिए सताया जा रहा है। अमेरिका का कहना है कि असांजे पर 'जानबूझकर' स्त्रोतों के नाम प्रकाशित करने का आरोप लगाया गया न कि उनकी राजनीतिक विचारधारा का।

विकिलीक्स एक नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन है जिसे पेशे से पत्रकार और हैकर जूलियन असांजे ने 2006 में शुरू किया था, इसे एक ऐसे ऑर्गेनाइजेशन के रूप में जाना जाता है जो खुफिया जानकारी, न्यूज लीक और अज्ञात सूत्रों से मिली गोपनीय जानकारी पब्लिश करता है। 2006 में इस वेबसाइट के लॉन्च होने के महज साल भर के भीतर ही 12 लाख से अधिक दस्तावेजों का डेटाबेस तैयार हो गया था। इस वेबसाइट ने ऐसे दस्तावेज जारी किए थे जिनसे पूरी दुनिया में खलबली मच गई थी। फिर चाहें वह अफगानिस्तान और इराक युद्ध की गोपनीय जानकारी हो या 2016 राष्ट्रपति चुनाव के दौरान हिलेरी क्लिंटन के गोपनीय ईमेल लीक होने का मामला। वॉलंटियर्स की मदद से चलने वाली इस वेबसाइट पर 2009 में ही 1200 वॉलंटियर रजिस्टर कर चुके थे।

अमेरिका सरकार दुनिया भर में लोकतंत्र अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और ?मी?डया की आजादी तथा मानवा?धिकारों पर बहुत ढिंढोरा पीटता है। वह ऐसा दिखाना चाहता है ?वैसे वह दुनिया में लोकतंत्र और शांति का एकमात्र रक्षक है लेकिन वह अपने भीतर झांक कर नहीं देखता कि उसने खुद क्या-क्या पाप किए हैं। अमेरिका ने अपने हितों की रक्षा के लिए कई देशों की सरकारें पलटी हैं। जहां आज भी शांति स्थापित नहीं हो सकी है। वह हमेशा दोहरे मापदंड अपनाता है।

दुबई एयरपोर्ट पर फंसे भारतीय पहलवान ओलिंपिक का रास्ता मुश्किल

क्वालिफायर के लिए किर्गिस्तान जा रहे थे दीपक और सुजीत, फ्लाइट कैंसिल हुई

मुंबई ● एजेंसी

भारतीय पहलवान दीपक पुनिया और सुजीत कलकल की पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने में बड़ी बाधा आ गई। किर्गिस्तान जाने वाले दो भारतीय पहलवान बारिश के कारण दुबई इंटरनेशनल हवाई अड्डे पर फंसे रह गए। दोनों खिलाड़ी शुक्रवार से होने वाले एशिया ओलिंपिक क्वालिफायर में भाग लेने के लिए बिश्केक जा रहे थे, जो पेरिस ओलंपिक के लिए दूसरा आखिरी क्वालिफाइंग इवेंट है।

दोनों खिलाड़ियों के साथ रूसी कोच कमल मलिकोव और फिजियो शुभम भी हैं। एयरपोर्ट पर दोनों को फर्श पर सोने के लिए मजबूर होना पड़ा है और बारिश से बने संकट के कारण उन्हें खाना भी नहीं मिल पा रहा है।

दीपक और सुजीत 2 से 15 अप्रैल तक रूस के दागेस्तान में प्रशिक्षण ले रहे थे और उन्होंने दुबई के रास्ते मकाचकला से बिश्केक तक उड़ान भरने का फैसला किया था।

दुबई एयरपोर्ट से आने-जाने वाली 300 फ्लाइट्स कैंसिल

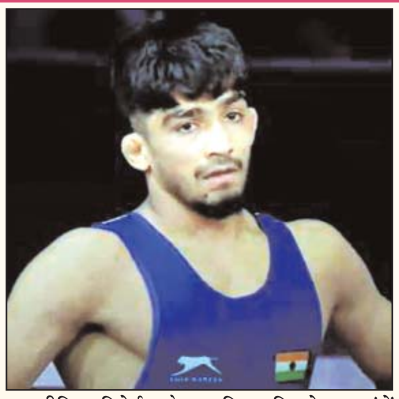

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में दुबई में करीब 15.2 सेमी बारिश हुई है। वहीं मंगलवार को यहां 10 इंच से ज्यादा बारिश हुई थी। BBC न्यूज के मुताबिक, बुधवार को दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आने-जाने वाली 300 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने लोगों को वहां न आने की सलाह दी है। दूसरी तरफ, ओमान में बारिश की वजह से 1400 लोगों को शेल्टर में भेजा गया है।

स्कूल और सरकारी ऑफिस को बंद कर दिया गया है।

दीपक पूनिया कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन

दीपक पूनिया 2019 में वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। साल 2019 में ही उन्होंने जूनियर वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में गोल्ड भी जीता था। उन्होंने टोक्यो ओलिंपिक में हिस्सा भी लिया था, लेकिन सफलता नहीं मिली।

धाविका शालू चौधरी को क्लीन चिट, डीएनए टेस्ट से नमूना दूषित होने का खुलासा

राष्ट्रीय डोपिंग निरोधी एजेंसी की अपील पैनल ने मध्यम दूरी की धाविका शालू चौधरी को डोपिंग के आरोपों से बरी करके चार साल का प्रतिबंध हटा दिया है क्योंकि डीएनए टेस्ट में पता चला कि उनके मूत्र के नमूने से या तो छेड़छाड़ की गई या लेते समय वह दूषित हो गया था। तीस वर्ष की चौधरी पर पिछले साल प्रतिबंध लगाया गया था और वह नाडा की अनुशासन समिति के सामने अपील हार गई थी। उन्हें दो प्रतिबंधित दवाओं के कथित इस्तेमाल के कारण प्रतिबंध झेलना पड़ा था। आठ सौ मीटर में राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता चौधरी ने मूत्र के नमूने के डीएनए टेस्ट की मांग की जिसे अनुशासन समिति ने तो खारिज कर दिया लेकिन अपील पैनल ने मान लिया। डीएनए जांच लंदन के किंग्स कॉलेज स्थित फारेंसिक विभाग द्वारा कराई गई। अपीली पैनल ने कहा ,'' मूत्र के नमूने के पिछले विश्लेषण में डीएनए प्रोफाइल सही नहीं आया है। डीएनए नमूने की जांच रिपोर्ट को देखते हुए नाडा के वकील कोई और कारण नहीं बता पाये है जिससे अपीली पैनल खिलाड़ी की अपील खारिज करने का फैसला ले।''

इसने कहा ,'' नाडा के वकील ने डीएनए रिपोर्ट मान ली और इसके नतीजे को चुनौती नहीं दी है। इसके मद्देनजर डोपिंग निरोधक पैनल द्वारा 11 अप्रैल 2023 को दिया गया फैसला दरकिनार किया जाता है। खिलाड़ी पर लगाया गया चार साल का प्रतिबंध खारिज कर दिया गया है। इसके साथ ही 13 जून 2022 से प्रतिस्पर्धाओं में उनके नतीजे रद्द करने के निर्देश भी खारिज किये जाते हैं।''

पैनल ने 18 अप्रैल को आदेश दिये जाने के दस दिन के भीतर डीएनए टेस्ट पर हुआ डेढ लाख रूपये का खर्च भी चौधरी को भुगतान करने का नाडा को निर्देश दिया।

6 साल की बच्ची ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड:25 मीटर की 6.29 इंच ऊंची लिंबो स्केटिंग की; गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज

मुंबई ● एजेंसी

6 साल की तक्षवी वाघानी ने स्केटिंग में गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाया है । तक्षवी वाघान ने 25 मीटर - 16 सेमी तक सबसे कम लिंबो स्केटिंग का रिकॉर्ड बनाया है । तक्षवी का स्केटिंग करते हुए वीडियो गिनीज बुक ने अपने ट्विटर पर शेयर किया है। तक्षवी गुजरात के अहमदाबाद की रहने वाली हैं। तक्षवी ने 10 मार्च को ये रिकार्ड अपने नाम किया था। तक्षवी से पहले ये रिकार्ड पुणे की मनस्वी विशाल के नाम था। लिम्बो स्केटिंग में पैरों में रोलर स्केट्स पहन लंबी छड़ों के नीचे से गुजरते हैं।

अब से हर अभ्यास सत्र अहम, ओलंपिक के 100 दिनों की उलटी गिनती पर हरमनप्रीत ने कहा

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बुधवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक के लिए 100 दिन बचे हैं और ऐसे में हर दिन, हर अभ्यास और प्रशिक्षण सत्र का इस्तेमाल इसकी तैयारियों को बेहतर करने के लिए किया जायेगा। तोक्यो ओलंपिक का कांस्य पदक विजेता भारत मौजूदा विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर है।

हरमनप्रीत ने कहा कि वे पेरिस में अपने तोक्यो परिणाम में सुधार करना चाहते हैं। इस स्टार ड्रैग-फ्लिकर की टिप्पणी ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आई, जहां मेजबान टीम ने उन्हें 0-5 से हराया था। हरमनप्रीत ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा, ''हम अभी ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे से लौटे हैं। एक छोटे से ब्रेक के बाद हम फिर से मैदान में उतरेंगे। पेरिस ओलंपिक में केवल 100 दिन बचे हैं और टीम में उत्साह बढ़ रहा है।''

भारतीय कप्तान ने कहा, ''स्वर्ण पदक जीतने के हमारे साझा लक्ष्य से प्रेरित होकर हमारी टीम की एकजुटता लगातार बढ़ रही है। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने ओलंपिक की उलटी गिनती के मद्देनजर हमारे लिए साप्ताहिक कार्यक्रम तैयार किये हैं।'' भारत ने पिछले साल हांग्झोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। भारत के उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा कि पेरिस खेलों से पहले टीम को अपनी खामियों को दुरुस्त करना होगा। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से हमें उन चीजों के बारे में पता चला जिनमें हमें सुधार करने की जरूरत है। हम शिविर में लौटने पर इस पर काम करेंगे। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हम पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए समय रहते हर मुद्दे को सुलझा लें।'' उन्होंने कहा, ''हम बचे हुए 100 दिनों में से हर दिन में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने की हमारी हसरत पूरी हो।'' पेरिस ओलंपिक में भारत को पूल बी में गत चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ रखा गया है। भारत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश के लिए शीर्ष चार में जगह बनाने की उम्मीद करेगा।

◇ हार्दिक पंड्या पर 12 लाख का जुर्माना

पंजाब के खिलाफ ओवररेट धीमा था, फील्डिंग प्रतिबंध भी लगा

मुंबई ● एजेंसी

इंडियंस (MI) के कप्तान हार्दिक पंड्या पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। मोहाली में गुरुवार को पंजाब किंग्स इलेवन (PBKS) के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के चलते पंड्या पर जुर्माना लगा। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) ने यह जानकारी गुरुवार को दी। IPL के 17वें सीजन में गुरुवार को मुंबई इंडियसं ने पंजाब को 9 रन से हराया। मोहाली में पंजाब ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। मुंबई ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 192 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव ने 53 बॉल पर 78 रन बनाए। पंजाब 19.1 ओवर में 183 रन पर आउट हो गई।

IPL ऑफिशियल्स ने कहा कि इस सीजन टीम मुंबई की यह पहली गलती थी, इसलिए IPL कोड ऑफ कंडक्ट के अनुसार सबसे न्यूनतम दंड दिया गया है।

आखिरी ओवर में पंजाब को चाहिए थे 12 रन

पंजाब को जीत के लिए आखिरी ओवर में 12 रन चाहिए थे। मुंबई की टीम तय वक्त पर ओवर करने से पिछड़ गई। इसके चलते आखिरी ओवर में पंड्या 5 की जगह सिर्फ 4 प्लेयर बाउंड्री पर भेज पाए। पंजाब की टीम 2 रन ही बना पाई। इस तरह पंजाब को 9 रन से हार का सामना करना पड़ा।

श्रेयस अय्यर पर लगा था 12 लाख का जुर्माना

कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के कप्तान श्रेयस अय्यर पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। कोलकाता में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स (RR) के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के चलते अय्यर पर जुर्माना लगा। इस मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को 2 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।ईडन गार्डन्स स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। कोलकाता ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 223 रन बनाए। सुनील नरेन ने 56 बॉल पर 109 रन बनाए। राजस्थान ने 20 ओवर खेलकर 8 विकेट के नुकसान पर 224 रन बना दिए।

राजस्थान रॉयल्स (RR) के कप्तान संजू सैमसन

पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। गुजरात टाइटंस (GT) के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के चलते संजू पर जुर्माना लगा। टॉस हार कर पहले बैटिंग करने उतरी राजस्थान ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 196 रन बनाए। 197 रन का टारगेट गुजरात ने 20 ओवर में 7 विकेट पर हासिल कर लिया।

OpenAI ने भारत में पहला एम्प्लॉई नियुक्त किया

◻ प्रज्ञा मिश्रा को कंपनी का गवर्नमेंट रिलेशन हेड बनाया, पहले ट्रूकॉलर और मेटा में थीं

नई दिल्ली ● एजेंसी

चैटजीपीटी डेवलपर OpenAI ने भारत में अपने पहले एम्प्लॉई को नियुक्त किया है। दरअसल, कंपनी ने एक गवर्नमेंट रिलेशन हेड को अपॉइंट किया है। कंपनी ने यह अपॉइंटमेंट ऐसे समय की है, जब इंडिया एक नए एडमिनिस्ट्रेशन के लिए वोट कर रहा है। नई सरकार दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रेगुलेशन को आकार देगी।

मामले से परिचित लोगों ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प समर्थित कंपनी OpenAI ने भारत में पब्लिक पॉलिसी अफेयर्स एंड पार्टनरशिप को लीड करने के लिए प्रज्ञा मिश्रा को नियुक्त किया है।

प्रज्ञा मिश्रा ने पहले ट्रूकॉलर AB और मेटा में काम किया था

39 साल कि प्रज्ञा मिश्रा ने पहले ट्रूकॉलर AB और मेटा प्लेटफॉर्म इंक में काम किया था। अब वे महीने के आखिरी में OpenAI में काम शुरू करने के लिए तैयार हैं।

यह अपॉइंटमेंट जनरेटिव-AI कंपनी के फेवरेबल रूल्स पर जोर देने के प्रयासों को उजागर करती है। क्योंकि, दुनिया भर की सरकारें इस बात पर विचार कर रही हैं कि तेजी से

डेवलप हो रही इस टेक्नोलॉजी को कैसे रेगुलेट किया जाए।

भारत ग्लोबल टेक कंपनियों के लिए ग्रोथ का एक बड़ा अवसर

भारत अपनी 1.4 अरब आबादी और तेजी से बढ़ती इकोनॉमी के साथ ग्लोबल टेक कंपनियों के लिए ग्रोथ का एक बड़ा अवसर बन गया है। हालांकि, लॉ मेकर्स और रेगुलेटर्स द्वारा यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि लोकल फर्म्स प्रभावित न हों, इसलिए इसे नेविगेट करना मुश्किल हो गया है।

ट्रूकॉलर में पब्लिक अफेयर्स को हेड करती थीं प्रज्ञा मिश्रा

हालांकि, OpenAI रिप्रेजेंटेटिव्स और प्रज्ञा मिश्रा ने इस खबर पर अब तक कोई कमेंट नहीं किया है। प्रज्ञा मिश्रा पहले स्टॉकहोम-ट्रेडेड कॉन्टैक्ट वेरिफिकेशन फर्म ट्रूकॉलर में पब्लिक अफेयर्स को हेड करती थीं।

ट्रूकॉलर भारत को अपना एक टॉप मार्केट मानता है। ट्रूकॉलर से पहले प्रज्ञा मिश्रा मेटा प्लेटफॉर्म Inc में थीं, जहां उन्होंने 2018 में मिसइनफॉर्मेशन के खिलाफ वॉट्सऐप के कैंपेन को लीड किया था।

भारत में OpenAI को अल्फाबेट Inc के Google से कॉम्पिटिशन का सामना करना पड़ता है, जो स्पेशली देश के लिए एक AI मॉडल डेवलप कर रहा है।

पिछले साल भारत आए थे OpenAI के CEO सैम ऑल्टमैन

OpenAI के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) सैम ऑल्टमैन पिछले साल भारत आए थे। अपनी भारत यात्रा के दौरान उन्होंने कहा था कि भारत जैसे देशों को AI रिसर्च का ऐसे तरीकों से सपोर्ट करना चाहिए, जिससे हेल्थ केयर जैसी सरकारी सर्विसेज में सुधार हो सके।

67 साल के हुए मुकेश अंबानी:संपत्ति को लेकर भाई अनिल से हुआ था विवाद, नई पीढ़ी में न हो ऐसा इसलिए खुद सौंप रहे कमान

मुंबई ● एजेंसी

19 अप्रैल 2024 को मुकेश अंबानी का जन्मदिन है। वे 67 साल के हो गए हैं। दुनिया के 11वें सबसे अमीर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी अपनी उम्र बढ़ने के साथ अपने साम्राज्य को अगली पीढ़ी को सौंपने के प्लान पर भी काम कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि पिता धीरूभाई अंबानी के निधन के बाद भाई अनिल अंबानी से संपत्ति के बंटवारे को लेकर जो विवाद हुआ था, वैसा उनके बेटों और बेटी के बीच न हो। ऐसे में 28 दिसंबर 2023 को अपने पिता धीरूभाई के जन्मदिन पर मुकेश ने कहा था-

रिलायंस का भविष्य आकाश, ईशा, अनंत और उनकी पीढ़ी का है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे जीवन में और ज्यादा अचीव करेंगे, और मेरी पीढ़ी के लोगों की तुलना में रिलायंस के लिए अधिक उपलब्धियां लाएंगे।

आकाश को जियो, ईशा को रिटेल और न्यू एनर्जी बिजनेस अनंत को सौंपा

मुकेश अंबानी के तीन बच्चे हैं। आकाश-ईशा और अनंत। 2022 में मुकेश ने अपने बड़े बेटे आकाश को रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड का चेयरमैन बनाया था। ईशा अंबानी रिलायंस रिटेल को

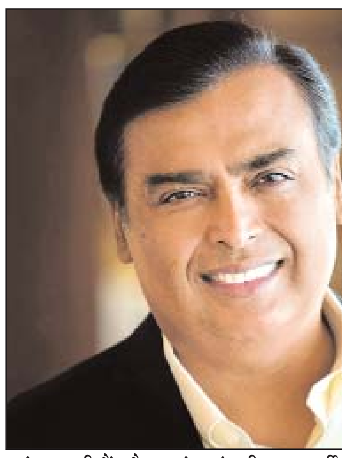

संभाल रही हैं और अनंत अंबानी न्यू एनर्जी बिजनेस को देख रहे हैं।

तीनों को रिलायंस के बोर्ड में भी शामिल किया गया है। मुकेश अंबानी ने 2023 की तरू में इसकी घोषणा की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि वह अगली पीढ़ी के लीडर्स को तैयार करने पर फोकस करते हुए अगले 5 साल तक कंपनी के चेयरमैन और ष्टश्वह बने रहेंगे।

कितना बड़ा है रिलायंस का साम्राज्य?

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड भारत में सबसे बड़ा प्राइवेट सेक्टर कॉर्पोरेशन है। टेक्सटाइल और पॉलिएस्टर से शुरू हुआ कंपनी का सफर आज एनर्जी, रिटेल, एंटरटेनमेंट और डिजिटल सर्विस में फैल गया है। रिलायंस के पास सिंगल लोकेशन पर दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी है।

रिलायंस का मार्केट कैप करीब 20 लाख करोड़ रुपए का है। ये प्राइवेट सेक्टर में कस्टम और एक्साइज ड्यूटी का सबसे बड़ा पेयर है। रिलायंस के कोई न कोई प्रोडक्ट या सर्विस का इस्तेमाल लगभग हर भारतीय करता है।

धीरूभाई अंबानी ने रखी थी रिलायंस की नींव

रिलायंस की नींव धीरूभाई अंबानी ने रखी थी। उनका जन्म 28 दिसंबर 1933 को सौराष्ट्र के जूनागढ़ जिले में हुआ था। उन्होंने जब बिजनेस की दुनिया में कदम रखा तो न उनके पास पुश्तैनी संपत्ति थी और न ही बैंक बैलेंस।

धीरूभाई की 1955 में कोकिलाबेन से शादी हुई थी। उनके दो बेटे मुकेश-अनिल और दो बेटी दीप्ती और नीना हैं। 6 जुलाई 2002 को धीरूभाई के निधन के बाद उनकी संपत्ति के बंटवारे में उनकी पत्नी कोकिलाबेन ने ही मुख्य भूमिका अदा की थी।

इंटेल ने संतोष विश्वनाथन को भारत के लिए कंपनी का प्रबंध निदेशक किया नियुक्त

कंप्यूटर चिप विनिर्माता इंटेल ने संतोष विश्वनाथन को भारत के लिए कंपनी का प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है। विश्वनाथन करीब 21 वर्ष से कंप्यूटर चिप विनिर्माता इंटेल से जुड़े हैं। इंटेल ने एक बयान में कहा, '' इंटेल ने इस साल मार्च में भारत की तीव्र वृद्धि तथा व्यावसायिक अवसरों का लाभ उठाने के लिए अपने एसएमजी (बिक्री, विपणन और संचार समूह) संगठन के भीतर उसे एक अलग क्षेत्र के तौर पर मान्यता देने की घोषणा की थी। संतोष विश्वनाथन नवगठित भारत क्षेत्र का नेतृत्व करेंगे।

सेंसेक्स 599 अंक बढ़कर 73,088 पर बंद: निफ्टी भी 151 अंक चढ़ा, बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही

मुंबई शेयर बाजार आज हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार (19 अप्रैल) को तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 599.34 अंक की तेजी के साथ 73,088.33 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 151.15 अंक की तेजी रही, ये 22,147 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में आज करीब 700 अंकों की गिरावट के बाद यह शानदार रिकवरी देखने को मिली। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में तेजी रही और सिर्फ 8 में गिरावट देखने को मिली। आज के कारोबार में PSU बैंक, प्राइवेट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही।

चौथी तिमाही के नतीजों के बाद इंफोसिस में गिरावट

इंफोसिस के चौथी तिमाही के नतीजे घोषित होने के बाद आज उसके शेयर में करीब 1% की गिरावट रही। ये 0.51% की गिरावट के साथ 1,411.95 रुपए पर बंद हुआ। हालांकि, जेफरीज ने 14% अपसाइड और 1,630 रुपए के टारगेट प्राइस के साथ इंफोसिस के शेयर की BUY रेटिंग बरकरार रखी है।

नारायण मूर्ति के पोते को मिला रूपए 4.2 करोड़ डिविडेंड: 5 महीने के एकाग्र के पास इंफोसिस के 15 लाख शेयर्स, इनकी वैल्यू करीब 210 करोड़

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत की टेक कंपनी इंफोसिस के फाउंडर नारायण मूर्ति के 5 महीने के पोते एकाग्र रोहन मूर्ति को अपने 15 लाख शेयर्स पर रूपए 4.2 करोड़ का डिविडेंड मिला है। नारायण मूर्ति ने पिछले महीने अपने पोते को ये शेयर्स गिफ्ट किए थे। इनकी वैल्यू करीब 210 करोड़ है। इंफोसिस ने 18 अप्रैल को वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। कंपनी ने इस तिमाही के लिए शेयरहोल्डर्स को 28 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान किया है। इसमें 20 रुपए का फाइनल डिविडेंड और 8 रुपए का वन-टाइम डिविडेंड है।

Q4FY24 में 30% बढ़ा इंफोसिस का प्रॉफिट

इंफोसिस का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर करीब 30% बढ़कर रूपए 7,969 करोड़ रहा। पिछले साल इसी तिमाही (Q4FY23) में कंपनी का नेट प्रॉफिट रूपए रूपए रूपए रूपए 6,128 करोड़ रहा था। वहीं Q3FY24 यानी तीसरी तिमाही में इंफोसिस का नेट प्रॉफिट रूपए 11,058 करोड़ रहा था।

नतीजों के बाद इंफोसिस में 1% की गिरावट

इंफोसिस के चौथी तिमाही के नतीजे घोषित होने के बाद ऑज उसके शेयर में करीब 1% की गिरावट है। ये 1400 रुपए के करीब कारोबार कर रहा है। हालांकि, जेफरीज ने 14% अपसाइड और 1,630 रुपए के टारगेट प्राइस के साथ BUY रेटिंग बरकरार रखी है।

नारायण मूर्ति ने रखा था पोते का नाम

करीब 5 महीने पहले 10 नवंबर को नारायण मूर्ति के बेटे रोहन मूर्ति और बहू अपर्णा कृष्णन माता-पिता बने थे। तब नारायण मूर्ति ने पोते का नाम एकाग्र रखा। नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति की दो नातिन भी हैं, जिनका नाम कृष्णा सुनक और अनुष्का सुनक है। दोनों बच्चियां ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक और अक्षता मूर्ति की बेटियां हैं।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए उसका समर्थन करने को तैयार : IMF

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को उसकी आर्थिक स्थिति को सुधारने तथा स्थिर करने में मदद के लिए प्रमुख सुधारों में समर्थन देने को तैयार है। आईएमएफ में पश्चिम एशिया व मध्य एशिया विभाग के निदेशक ने जिहाद अज़ोर ने आईएमएफ और विश्व बैंक की एक बैठक के मौके पर पत्रकारों से कहा कि कुछ प्रमुख चुनौतियों से निपटने में मदद के लिए एक नए कार्यक्रम में रुचि दिखाई गई है। 10 महीने पहले शुरू किए गए मौजूदा कार्यक्रम के दम पर पाकिस्तान ने आर्थिक स्थिरता के मामले कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। आईएमएफ अधिकारी ने आशा व्यक्त की कि पिछली समीक्षा सफल रही थी और इसे निदेशक मंडल के सामने रखा जाएगा। इससे उस कार्यक्रम को समाप्त कर दिया जाएगा जिसने पाकिस्तान को आर्थिक असंतुलन को दूर करने और उसकी आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में मदद की थी।

अज़ोर ने कहा,'' उन उपायों ने पाकिस्तान को अपना भंडार बढ़ाने की अनुमति दी। वर्तमान में अधिकारियों ने पाकिस्तान को कुछ प्रमुख चुनौतियों से निपटने में मदद करने के लिए एक नए कार्यक्रम में रुचि व्यक्त की है।'' उन्होंने कहा कि इनमें से एक है व्यापक आर्थिक स्थिरता को बनाए रखना।

पूर्व विधायक राकेश मावई के नेतृत्व में अनेक लोगों ने ली भाजपा की सदस्यता

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार्यपद्धति एवं जन कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने 12 अप्रैल को नरेंद्र सिंह तोमर अध्यक्ष विधानसभा मध्य प्रदेश शासन, ऐंदल सिंह कंसाना कृषि मंत्री मध्य प्रदेश शासन, योगेश पाल गुप्ता, जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी मुरैना व मुरैना लोकसभा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर के समक्ष मुरैना के पूर्व विधायक राकेश मावई की अगुवाई में उनके बड़े भाई रविंद्र सिंह मावई ने विभिन्न पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता गृहण की। जिन्होंने सदस्यता ली, उनमें नागेंद्र सिंह सिकरवार मंडल अध्यक्ष पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मुरैना, भोला बघेल प्रदेश सचिव किसान कांग्रेस, भंवर सिंह ब्लॉक अध्यक्ष सेवादल कांग्रेस, राहुल सिंह सिकरवार जिला उपाध्यक्ष सेवादल कांग्रेस, भानु सिंह सिकरवार जिला सचिव सेवादल कांग्रेस, सोना शर्मा ब्लॉक सचिव कांग्रेस, राहुल गुर्जर जिला उपाध्यक्ष किसान कांग्रेस, ओमप्रकाश सिकरवार जनपद सदस्य, विष्णु शर्मा आदि शामिल हैं। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर निगमायुक्त ने की समीक्षा, दिए निर्देश

ग्वालियर । स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की तैयारियों को लेकर आज शुक्रवार को नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों की बाल भवन स्थित ऑडिटोरियम में बैठक ली तथा निर्देश दिए कि नगर निगम में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर एवं अधिक से अधिक उपयोग कर निगम के अधिकारी व कर्मचारी शहर की स्वच्छता के लिए कार्य करें और स्वच्छता केवल किसी सर्वेक्षण के लिए न होकर बल्कि हमें अपनी आदत में डालना चाहिए। जिससे हमारा शहर स्थाई रूप से स्वच्छ व सुंदर शहर बन जाएगा। बैठक में निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत नए मापदंडों को लेकर चर्चा की तथा सभी संबंधित अधिकारियों एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों को विस्तृत जानकारी अपर आयुक्त विजय राज एवं उपायुक्त अमर सत्य गुप्ता ने दी। निगमायुक्त सिंह ने कहा कि शहर में कहीं भी कचरे ठिये न दिखें इसके लिए योजना बनाकर कार्य करें और शहर के किसी भी सीवेज सिस्टम में गोबर नहीं आना चाहिए यह संबंधित स्वास्थ्य अधिकारी एवं सहायक स्वास्थ्य अधिकारी सुनिश्चित करें। शहर के बीचों बीच पशु डेयरी संचालित कर नालियों में गोबर बहाने वाले लोगों के खिलाफ कडी कार्यवाही हो तथा जुर्माना भी लगाया जाए। इसके साथ ही शहर के सभी डिपो से डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन समय पर निकलें और स्वच्छता कार्य में लगी जेसीबी का उपयोग किसी भी कंडीशन में निजी उपयोग के लिए न किया जाए। साथ ही सभी स्वास्थ्य अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि शहर में निकलने वाले पेड पौधे व पत्तियां टिपर वाहन में भरकर कचरा ट्रांसफर स्टेशन तक न जाएं। इनके लिए आस पास ही नाडेफटांके बनाए जाएं। वहीं बल्क वेस्ट जनरेटर पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी बडे होटल एवं सोसायटी में गीला कचरा प्रबंधन हेतु सिस्टम लगाया जाए। इसके लिए कार्यवाही प्रारंभ करें। बैठक में सभी सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों में आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। थ्री आर मार्ट को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि शहर में चार विभिन्न स्थानों पर थ्री आर मार्ट बनाए जाएं व इनको अच्छे स्तर पर संचालित किया जाए। जहां पुरानी अनुपयोगी वस्तुओं का पुर्नर उपयोग हो सके। बैठक में कार्यपालन यंत्री श्रीकांत कांटे, अजय पाल सिंह जादौन, सुरेश अहिरवार, सहायक यंत्री महेन्द्र प्रसाद अग्रवाल एवं सभी क्षेत्राधिकारी, मुख्य स्वच्छता अधिकारी डॉ. अनुज शर्मा, डॉ. वैभव श्रीवास्तव, स्वास्थ्य अधिकारी भीष्म पमनानी, किशोर चौहान, अजय सिंह सहित सभी सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, जेडएचओ, डिपो प्रभारी एवं कचरा ट्रांसफर स्टेशन प्रभारी उपस्थित थे।

अभिरुचि केन्द्र व शीतल जलसेवा के संबंध में स्काउट गाइड की बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। राज्य मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं डॉ. दीपक पांडे संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग चंबल मुरैना ग्वालियर के आदेश अनुसार संभागीय बैठक अभिरुचि केंद्र संचालन एवं निःशुल्क शीतल पेयजल सेवा शिविर संचालन हेतु संचालकों की बैठक संभागीय स्काउट मुख्यालय चंबल संभाग मुरैना में 19 अप्रैल को दोपहर 12:00 बजे स्काउट प्रार्थना के साथ आयोजित की गई।

इस महत्वपूर्ण बैठक में चंबल संभाग मुरैना के जिला मुरैना, भिंड, श्योपुर से अभिरुचि संचालक एवं सहायक, निःशुल्क शीतल पेयजल सेवा शिविर संचालक एवं सहायकों, जिला सचिव, जिला प्रशिक्षण आयुक्त, जिला संयुक्त सचिव, जिला संगठन आयुक्त, (स्काउट/ गाइड) की महत्वपूर्ण बैठक डॉ. विवेक राठी अध्यक्ष जिला संघ मुरैना की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

इस महत्वपूर्ण बैठक में चंबल संभाग मुरैना के जिला मुरैना में शीतल पेयजल सेवा शिविर दिनांक 01 मई से 30 जून 2024 तक रेलवे स्टेशन मुरैना पर आयोजित करने एवं संचालक जेपी कौशिक एएलटी स्काउट जिला मुरैना को, जिला भिंड में निःशुल्क शीतल पेयजल सेवा शिविर 01 मई से 30 जून 2024 तक रेलवे स्टेशन भिंड में तथा अमर सिंह विमल को संचालक, जिला श्योपुर में निःशुल्क शीतल पेयजल सेवा शिविर 01 मई से 30 जून 2024 तक बस स्टैंड श्योपुर में रोशन लाल गर्ग जिला सचिव को शिविर संचालक सर्व समिति से नियुक्त किया गया है।

इसी तरह से ग्रीष्मावकाश में अभिरुचि केंद्र जिला मुरैना में मूलचंद गौड़ वरिष्ठ एएलटी स्काउट जिला मुरैना 10 मई से, भवन क्रमांक 978 न्यू कलेक्ट्रेट के सामने टीआर पुरम् मुरैना में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। जिला भिंड का दिनांक 22 अप्रैल से शासकीय उ.मा. विद्यालय सुरपुरा भिंड में संचालक श्रीमती रेखा भदोरिया को एवं जिला श्योपुर में अभिरुचि केंद्र का संचालन सुश्री रीना प्रजापति वरिष्ठ रेंजर लीडर श्योपुर बनाया गया है। श्योपुर में 02 अप्रैल से 15 जून तक प्रारंभ किया गया है।

चंबल संभाग मुरैना के जिला शिक्षा अधिकारी मुरैना, भिंड, श्योपुर अपने स्तर से उपरोक्त शिविरों के सफल संचालन हेतु संचालक मंडल का गठन कर शीघ्र उक्त कार्यक्रमों का संचालन करावे एवं समय-समय पर प्रतिवेदन संभागीय स्काउट मुख्यालय चंबल संभाग मुरैना एवं राज्य मुख्यालय भोपाल को भेजें।

शीतल पेयजल सेवा शिविर का मितव्ययिता के साथ स्काउट के आठवें नियम का पालन करते हुए किया जाए। शिविर समाप्ति के 15 दिवस के अंदर हिसाब जिला संघ कार्यालय को जमा कराकर संभागीय स्काउट मुख्यालय चंबल संभाग मुरैना को अवगत कराया जाए।

बैठक में सुखदेव सिंह चौहान सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट चंबल संभाग मुरैना, ओपी गुप्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष राज्य परिषद भोपाल, डॉ. विवेक राठी अध्यक्ष जिला संघ मुरैना, सुरेंद्र सिंह यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अशोक यादव जिला मुख्य आयुक्त मुरैना, श्रीमती इंद्रावती यादव जिला कमिश्नर गाइड मुरैना, वीर सिंह यादव जिला संगठन आयुक्त स्काउट जिला भिंड, हरेंद्र कुमार दीक्षित, अतर सिंह राजपूत, श्रीमती चंद्रावली तोमर, मूलचंद गौड़, श्रीमती सारिका चतुर्वेदी, श्रीमती पूजा आदि अधिकारी एवं पदाधिकारीगण बैठक में उपस्थित थे। बैठक का संचालन सुखदेव सिंह चौहान सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट चंबल संभाग में द्वारा किया गया। बैठक राष्ट्रगान के साथ सम्पन्न हुई।

दिन का पारा 40.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज

- सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक गर्म हवाओं का हुआ अहसास
- अब फिर आएंगे बादल, पारा भी गिरेगा

ग्वालियर। खरगौन, खंडबा, बडवानी की तरह ग्वालियर में भी तेजी से गर्मी का प्रकोप हावी होता जा रहा है। बीते दिन की अपेक्षा शुक्रवार को अधिकतम तापमान 0.6 अंक बढकर 40.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस अधिक आंका गया। शुक्रवार का दिन इस सीजन का सर्वाधिक गर्म दिन रहा है।

खास बात यह रही है कि शुक्रवार को दिनभर पश्चिमी हवाएं चली। जिसके चलते दिन का पारा तेजी से बढता चला गया। सुबह साढे ग्यारह बजे दिन का पारा 37 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। उधर हवाओं में गर्माहट का अहसास होने लगा। ढाई बजे ही तापमान 40.0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। लगभग 5 बजे तक सूरज की तपिश काफी तेज थी। और पारा भी 40 डिग्री के आसपास बना रहा। स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार शुक्रवार को दिन भर पश्चिमी हवाएं चली थी जो गर्म हवाएं लेकर आई। वहीं सूरज की तेज तर्रार किरणों ने दोपहर 12 बजे से पहले ही पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पास पहुंच गया। शाम 5 बजे तक भी यही हालात रहे आखिर बीते दिन का रिकार्ड तोडकर अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ। इसी तरह बीते दिन गुरूवार को न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। जबकि शुक्रवार को 1.6 अंक बढकर 24.0 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिक हुकुम सिंह ने बताया कि 21 अप्रैल को हल्के बादल व बूंदाबांदी की संभावना है। इस प्रभाव से फिर से दिन के तापमान में आंशिक गिरावट दर्ज होगी।

लोकसभा निर्वाचन के संबंध में बैठक 22 अप्रैल को

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराये जाने के लिये 22 अप्रैल को सायं 4 बजे कलेक्ट्रेट सभागार मुरैना में बैठक आयोजित की गई है। बैठक में कलेक्टर श्योपुर, पुलिस अधीक्षक मुरैना-श्योपुर, सहायक रिटर्निंग ऑफीसर अम्बाह, दिमनी, मुरैना, सुमावली, जौरा, सबलगढ़, विजयपुर और श्योपुर के अलावा अभ्यर्थी उपस्थित रहेंगे।

सोनी सब के 'आंगन अपनों का' में चेहरे पर कालिख पोतने वाले एक सीन के बारे में महेश ठाकुर कहते हैं, 'तीन दशक लंबा एक्टिंग करियर भी आपको ऐसे भावनाओं से भरे हुए सीन के लिए तैयार नहीं कर सकता'

सोनी सब के आंगन अपनों का में पल्लवी शर्मा (आयुषी खुराना) की कहानी दिखाई गई है, जिसका शादी को लेकर अनोखा नज़रिया है और उसका मानना है कि किसी महिला को शादी के बाद अपने मायके के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। शो की नवीनतम कहानी में, पल्लवी एक चौराहे पर है क्योंकि उसके दोनों परिवारों को पप्पी मेहरा (अश्विन कौशल) की धोखाबाज़ी का सामना करना पड़ रहा है। जहां एक ओर, पप्पी ने पल्लवी के ससुराल की दुकान हड़प ली है, वहीं दूसरी ओर, इस चालाक व्यवसायी ने उसके पिता जयदेव शर्मा (महेश ठाकुर) को भी ज़मीन के फ़र्ज़ी सौदे में फंसा दिया है।

जयदेव एक दंपत्ति को ज़मीन बेचता है, जिन्होंने इसे खरीदने के लिए अपनी जीवन भर की जमा पूंजी लगा दी है, हालांकि, उन्हें पता चलता है कि यह ज़मीन सरकारी है और उनका सारा डूब गया है। अपनी इस स्थिति के लिए जयदेव को दोषी ठहराते हुए, यह दंपति जयदेव के घर पर गुंडे ले आती है और उसका चेहरा काला करके उसे अपमानित करती है। यह सीन इतना ज्यादा भावुक था कि अभिनेता पूरे दिन चिंतित रहे और यहां तक कि इस सीन में उनके सह-कलाकार, पल्लवी और आकाश (समर वरमानी) भी शूटिंग के बाद सन्न रह गए थे।

जयदेव की भूमिका निभाने वाले महेश ठाकुर कहते हैं, 'सालों तक अभिनय की दुनिया में काम करने के कारण, मैंने भावुक सीन्स को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के कौशल को निखारा है। हालांकि, ऐसी भूमिका निभाना जिसके लिए अपने चेहरे पर कालिख पोतनी पड़े, बेहद परेशान करने वाला अनुभव था। मैं इस सीन की शूटिंग शुरू होने के कुछ घंटे पहले से ही काफी चिंतित था क्योंकि तीन दशक लंबा एक्टिंग करियर भी आपको ऐसे भावनाओं से भरे हुए सीन के लिए तैयार नहीं कर सकता। मैं शूटिंग से पहले और यहां तक कि सीन शूट होने के कुछ घंटों बाद भी ठीक से खाना नहीं खा सका। मुझे होश में वापस आने में कुछ समय लगा।'

अभिनेता ने आगे कहा, 'इस सीन को शूट करने मात्र से ही मुझे कंपकंपी छूटने लगी, क्योंकि मैंने इस पर विचार किया कि ऐसी कोई काम असल जीवन में कितना अपमानजनक होता होगा, इस तरह के अपमान की भावना को व्यक्त करना संभव नहीं है। इस सीन ने मेरे विचारों को उन लोगों की ओर आकर्षित किया जो अन्य प्रकार के अपमान सहते हैं।'

आंगन अपनों का देखते रहें, हर सोमवार से शनिवार शाम 7:30 बजे, केवल सोनी सब पर

एंड पिक्चर्स पर मनोरंजन और प्यार का हेल्दी डोज़ लेकर आ रहे हैं आयुष्मान खुराना स्टारर 'डॉक्टर जी'

अपना अपॉइंटमेंट बुक कर लीजिए, क्योंकि 'डॉक्टर जी' 21 अप्रैल को दोपहर 12 बजे एंड पिक्चर्स पर अपने प्रीमियर के लिए तैयार है। अनुभूति कश्यप द्वारा निर्देशित और आयुष्मान खुराना, रकुल प्रीत सिंह, शेफाली शाह और शीबा चड्ढा सहित कई सितारों द्वारा अभिनीत यह मनोरंजक फिल्म हास्य, प्यार और स्वस्थ मनोरंजन के हेल्दी डोज़ से भरा एक यादगार सफर लेकर आ रही है।

'डॉक्टर जी' में आयुष्मान खुराना डॉ. उदय गुप्ता के रोल में हैं, जो आर्थोपेडिक बनने के सपने देखने वाला एक मेडिकल ग्रेजुएट है, लेकिन अप्रत्याशित रूप से गायनेकोलॉजी के क्षेत्र में आ जाता है। फिल्म में रकुलप्रीत सिंह डॉ. फातिमा सिद्दीकी के रोल में हैं, जो डॉ. उदय गुप्ता (आयुष्मान खुराना) की सीनियर हैं। अपने जोश, हिम्मत और प्रभावशाली व्यक्तित्व के साथ, फातिमा हर कदम पर रूढ़ियों को तोड़ती है और मानदंडों को चुनौती देती है।

डॉ. नंदिनी श्रीवास्तव की भूमिका निभाने वाली शेफाली शाह स्त्री रोग विभाग की एक सख्त मिजाज प्रमुख हैं। उनका चित्रण एक पेशेवर को दर्शाता है, जो न सिर्फ अपने काम के प्रति प्रतिबद्ध है, बल्कि मजबूती से सिद्धांतों पर भी कायम है। अपने प्रदर्शन के जरिए शेफाली शाह 'डॉक्टर जी' की कहानी को असरदार बनाती हैं, उसमें दिलचस्पी जगाती हैं और दर्शकों के दिलों में सकारात्मक असर छोड़ती हैं। शीबा चड्ढा उदय की माँ शोभा के रोल में प्रभावित करती हैं।

सामाजिक मुद्दे को संबोधित करने वाली हिट ड्रामा-कॉमेडी के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, आयुष्मान खुराना संदेश देने वाले मनोरंजक सिनेमा का पर्याय बन गए हैं। दर्शक 'डॉक्टर जी' में भी उसी जीत के फॉर्मूले की उम्मीद कर सकते हैं, क्योंकि यह फिल्म फर्ज, दोस्ती और जिंदगी के अनजाने मोड़ों को पूरी समझदारी और हास्य के साथ पेश करती है।

तो, आप भी 'डॉक्टर जी' के साथ दिल खोलकर हंसने के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि कभी-कभी हंसी का हेल्दी डोज़ सबसे अच्छी दवा होती है! देखिए 'डॉक्टर जी' आपके टेलीविजन स्क्रीन पर 21 अप्रैल को दोपहर 12 बजे सिर्फ एंड पिक्चर्स पर

सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार को याचिका वापस लेने की अनुमति दी

मीसाबंदियों को एरियर्स भुगतान का रास्ता आसान हुआ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर/रायपुर। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार को SLP(C) 7263/2022 को वापस लिये जाने की अनुमति प्रदान करने से छत्तीसगढ़ के मीसाबंदियों को भूतलक्षी प्रभाव (दिनांक 23 जनवरी 2020) से सम्मान राशि का भुगतान किये जाने का रास्ता साफ हो गया है।

ज्ञातव्य हो कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के सत्तारूढ़ होते ही आपातकाल योद्धाओं को मिलने वाली सम्मान राशि एवं अन्य सुविधाएं 23 जनवरी 2020 से बंद कर दीं गयीं थीं। कांग्रेस सरकार के अलोकतांत्रिक एवं अवैधानिक आदेश को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने निरस्त कर दिया था। राज्य सरकार के द्वारा तदुपरांत युगलपीठ में की गयी अपील को भी निरस्त कर दिया गया था।

छत्तीसगढ़ में भाजपा के सत्तारूढ़ होते ही पहली कैबिनेट में ही सम्मान निधि भूतलक्षी प्रभाव से दिये जाने का निर्णय लिया गया है। अर्थात सम्मान राशि बंद होने की तिथि से लेकर पुनः प्रारंभ होने की तिथि तक की अवधि की एरियर राशि का 01 नवंबर 2024 को भुगतान किया जायेगा। लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं निवर्तमान सांसद कैलाश सोनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सचिदानंद उपासने, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संतोष शर्मा, राष्ट्रीय सचिव मदन बाथम एवं छत्तीसगढ़ प्रदेशाध्यक्ष दिवाकर तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का स्वागत करते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णूदेव सांय का आभार माना है।

183 अक्षर का इंग्लिश मीनिंग सुनाकर बीसीए टीम के अनुष्का-जयराज विजयी

इंग्लिश मीनिंग कॉम्पटीशन में शैलेन्द्र, यशस्वी टीम ने द्वितीय, तथा तमन्ना, अश्लेषा और अनुज टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। अंचल में पहली बार हुए लार्ज इंग्लिश मीनिंग कॉम्पटीशन में ब्राइट कैरियर टीम की अनुष्का चौहान और जयराज सिंह ने 183 अक्षरों का मीनिंग सही-सही सुनाकर और विदाउट मिस्टेक लिखकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

द्वितीय स्थान पर विक्ट्री टीम के शैलेन्द्र शर्मा और यशस्वी शर्मा रहे, जबकि तीसरा स्थान जुनियर टीम में तमन्ना तोमर, अश्लेषा श्रीवास्तव और अनुज तोमर ने प्राप्त किया।

मुख्य वक्ता डॉ. सुधीर आचार्य ने परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि ब्राइट कैरियर एकेडमी टीम की अनुष्का और जयराज ने 183 अक्षर का " Lopado-temacho-selacho-galeo-kranio-leipsano-drim-hypo-trimmato-silphio-karabo-melito-katakechy-meno-kichl-epi-kossypho-phatto-perister-alektryon-opte-kephallio-kigklo-peleio-lagoio-siraio-baphe-tragano-pterygon लोपाडोटेमाचोसेलाचोगेलेओक्रानियोलेइप्सानोड्रिमहाइपोट्रिमेटोसिलफिओकाराबोमेलिटोकाटेकेचिमेनोकिचलेपिकोसीफोफैट्टोपेरिस्टेरेलेक्ट्रीओनोप्टेकेफालियोकिग्क्लोपेलेइओलागोइओसिरायओबाफेट्रागा.. शब्द सुनाकर अपनी प्रतिभा को प्रमाणित किया है।

इसी प्रकार द्वितीय स्थान पर रही टीम ने 103 अक्षरों का और तृतीय स्थान पर रही टीमों के बच्चों ने 84 अक्षरों का मीनिंग सुनाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इंग्लिश मीनिंग कॉम्पटीशन के लाभों की चर्चा करते हुए सुधीर आचार्य ने कहा कि बच्चों की याददाश्त बढ़ाने, परखने और शब्दकोश में इजाफा करने में यह प्रतियोगिता महत्वपूर्ण है। इसका फायदा प्रतियोगी परीक्षाओं में भी मिलता है। प्रतियोगिता संयोजन इंग्लिश स्पोकर गौरव शर्मा ने किया। टीम कार्डिनेशन एवं संचालन विश्वनाथ सिंह गुर्जर ने किया। गूगल टेक्नीशियन एवं टाइमर गुरु की भूमिका राहुल गुप्ता और रविशकांत कटारे ने निभायी।

आज मनेगी भगवान महावीर स्वामी की जयंती, अनेक धार्मिक कार्यक्रम होंगे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। विश्व वंदनीय जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव रविवार 21 अप्रैल को उत्साह एवं धार्मिक वातावरण में मनाया जाएगा। इस अवसर पर जैन समाज अम्बाह द्वारा अनेक धार्मिक एवं समाज सेवा के कार्य किए जाएंगे।

जानकारी के मुताबिक रविवार को जैन साध्वी विश्रेय श्री माताजी के सानिध्य में उत्सव का प्रारंभ प्रातः साढ़े 5 बजे प्रभातफेरी के माध्यम से होगा। उसके बाद सभी जैन मंदिरों में श्रीजी के अभिषेक पूजन का आयोजन किया जाएगा। प्रातः 9 बजे भगवान श्री महावीर स्वामी की भव्य शोभा यात्रा श्री आदिनाथ जिनालय से निकाली जाएगी, जिसमें श्रीजी को रथ में विराजमान कर चंवर ढुराते हुए आरती करते हुए दिव्य घोष के साथ नगर के प्रमुख मार्गो से होकर नगर भ्रमण कराया जाएगा। इसके लिए नगर में स्वागत द्वार सज्जा और रंगोली सज्जा की जाएगी। वापिसी में शोभा यात्रा का समापन नवीन जैन बगीची पर श्रीजी के अभिषेक एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने के साथ होगा। वहीं सुबह आठ बजे शासकीय चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरण किया जाएगा। इसके बाद शाम को 7:30 बजे से भगवान की आरती आयोजित की जाएंगी। जैन समाज से सम्पूर्ण आयोजन में उपस्थित रहने की अपील की गई है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतों की उपादेयता

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भगवान महावीर लोकोत्तर,आत्मज्ञानी महापुरुष थे। वे अन्तर्जगत के जगज्जेता थे। उनका व्यक्तित्व और चरित्र विश्व में उन सभी योद्धाओं, राजाओं, महाराजाओं और चक्रवर्ती सम्राटों से भिन्न है, जिन्होंनें भयंकर रक्तपात करके अपनी राजसत्ता का विस्तार किया। सार्वभौमिक चिंतन के धारक, मोक्ष के आकांक्षी महावीर स्वामी ने अपने पुरुषार्थ एवं चारित्र्य से अपनी विचारणा को लोकोन्मुख बनाकर धर्म के क्षेत्र में मंगल क्रांति की। भगवान महावीर के सिद्धांत अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, परिग्रह, अनेकांतवाद, क्षमा, करुणा, सदाचार आदि आत्मा की आंतरिक सुंदरता, शक्ति और सामंजस्य को दर्शाते हैं। उन्होंने मानव जीवन की सर्वोच्चता का ज्ञान सिखाया और जीवन के सकारात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर बल दिया महावीर ने कहा कि 'एक जीवित शरीर केवल अंगों और माँस का एकीकरण नहीं है बल्कि यह आत्मा का निवास है', जिसमें अनंत-ज्ञान, अनंत-दर्शन, अनंत वीर्य और अनंत सुख निहित है।

भगवान महावीर के महत्वपूर्ण सिद्धांतः-

1. अहिंसा, का सिद्धांत 'जियो और जीने दो' की महत्वपूर्ण धारणा को प्रकट करता है। मन, वचन एवं कर्म से किसी को भी नुकसान न पहुँचे।
2. सत्य, जीवन का सबसे बड़ा तथ्य है, इसके प्रति समर्पित व्यक्ति 'साधारण से असाधारण' होकर संसार के प्रत्येक प्राणी का हितचिंतक हो जाता है।
3. अचौर्य, बिना आज्ञा किसी की वस्तु ग्रहण न करना। 4. ब्रह्मचर्य, यानि शुद्ध आचरण या आत्मानुशासन। 5. अपरिग्रह, आवश्यकता से अधिक चीजों एवं धन का संग्रह न करना।

संपूर्ण विश्व में अपनी आवश्यकता से अधिक संग्रह की वृत्ति से जमाखोरी, कालाबाजारी एवं भ्रष्टाचार पनप रहे हैं धन मकान वैभव के प्रति अटकाव से भटकाव की स्थिति पैदा हो रही है। आज महावीर के अपरिग्रह बाद की नितांत आवश्यकता है। आर्थिक विषमता, भोगवृत्ति और शोषण की समाप्ति के लिए महावीर द्वारा अनुभूत अपरिग्रह उतना ही यथार्थ है जितना महावीर के समय में था। उपरोक्त सभी सिद्धांत समाज एवं देश, दुनिया में व्याप्त चोरी, कालाबाजारी, जमाखोरी, बलात्कार, लोभ, असंतोष जैसी विकराल समस्याओं से निजात दिलाने में पूर्णतया सक्षम हैं, वहीं अनेकांतवाद जीवन की जटिल समस्याओं के समाधान का मूलमंत्र है। यह अहं तुष्टि, सहअस्तित्व, वसुधैव कुटुंबकम् की भावना का विकास करता है। इस प्रकार महावीर स्वामी के सिद्धांतों को अपनाकर काम, क्रोध, मोह, अहंकार, झूठ, हिंसा, कुशील, जातीय विद्वेष, वर्ण संघर्ष, पारस्परिक घृणा जैसी संकीर्ण मनोवृत्ति को विराम देकर विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है।

नामांकन भरने के अंतिम दिन 11 लोगों ने भरे अपने-अपने फॉर्म

- आखिरी दिन 11 प्रत्याशियों ने भरे नामांकन

ग्वालियर। ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में 22 उम्मीदवारों द्वारा अपनी नामजदगी दर्ज कराई गई है। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने के आखिरी दिन यानि शुक्रवार 19 अप्रैल को 11 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन फॉर्म कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान को सौंपे। ज्ञात हो 12 अप्रैल को निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने के बाद 18 अप्रैल तक कुल 11 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन भरे गए थे।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नामांकन के आखिरी दिन वीरेन्द्र विलास पटेल नगर सिटी सेंटर निवासी गजेन्द्र सिंह ने निर्दलीय, कबीर नगर ठाठीपुर निवासी मुनेश नागर ने विकास इंडिया पार्टी, अशोक कॉलोनी मुरार निवासी मुकेश कुमार कोरी ने बहुजन मुक्ति पार्टी व गरम सड़क मुरार निवासी महेन्द्र प्रताप सिंह पाल ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए। इनके अलावा नारायण विहार कॉलोनी गोले का मंदिर निवासी अमित परिहार ने निर्दलीय, हरिजन कॉलोनी हेमसिंह की परेड निवासी योगेन्द्र सिंह यादव ने इंडियन नेशनल कांग्रेस व निर्दलीय, निम्माजी की खो जीवाजीगंज ग्वालियर निवासी राकेश धाकड़ ने निर्दलीय, ग्राम ख्यावदाकला जिला शिवपुरी निवासी सुश्री अंजली रावत ने परिवर्तन पार्टी ऑफइंडिया, हीरामन बाबा के सामने अजयपुर पटियावाला मोहल्ला सिकन्दर कम्पू निवासी नरेशचंद शर्मा ने निर्दलीय, बसाई बेडोरा जिला झाँसी उत्तरप्रदेश निवासी भरत पाल ने आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) एवं ग्राम पहाडीरावत जिला दतिया निवासी हरदास ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन के आखिरी दिन अपनी नामजदगी दर्ज कराई। नाम-निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (जाँच) 20 अप्रैल को होगी। 22 अप्रैल 2024 को अपरान्ह 3 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इन सभी दिवसों में प्रातरू 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक यह कार्यवाही संपादित होगी। ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र में 7 मई को मतदान और 4 जून को मतगणना होगी।

इन्होंने दाखिल किया है नामजदगी का पर्चा

1.	रचना अग्रवाल	सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफइंडिया (कम्युनिस्ट)
2.	डॉ. पी डी अग्रवाल (वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ)	निर्दलीय
3.	राम प्रकाश सिंह पाल	राष्ट्र उदय पार्टी
4.	चन्दन राठौर	परिवर्तन समाज पार्टी
5.	भारत सिंह कुशवाह	भारतीय जनता पार्टी
6.	प्रवीण पाठक	इंडियन नेशनल कांग्रेस
7.	दीपक कुमार बंसल	निर्दलीय
8.	यशदेव शर्मा	निर्दलीय
9.	कल्याण	बहुजन समाज पार्टी
10.	अर्चना राजपूत	राष्ट्रीय समाज पक्ष
11.	आनंद सिंह कुशवाह (रामायणी)	निर्दलीय
12.	गजेन्द्र सिंह	निर्दलीय
13.	मुनेश नागर	विकास इंडिया पार्टी
14.	मुकेश कुमार कोरी	बहुजन मुक्ति पार्टी
15.	महेन्द्र प्रताप सिंह पाल	निर्दलीय
16.	अमित परिहार	निर्दलीय
17.	योगेन्द्र सिंह यादव	इंडियन नेशनल कांग्रेस
18.	राकेश धाकड़	निर्दलीय
19.	अंजली रावत	परिवर्तन पार्टी ऑफइंडिया
20.	नरेश चन्द्र शर्मा	निर्दलीय
21.	भरत पाल	आजाद समाज पार्टी (कांशीराम)
22.	हरदास	निर्दलीय

देश में श्रम की सोच ही बदल दी 5 एस के सिद्धांतों ने: अविनाश मिश्रा

- देशभर में रेलवे, रक्षा, उघोग व अन्य संस्थान अपना रहे अवधारणा

ग्वालियर। भारत ही क्या संपूर्ण विश्व में क्वालिटी सर्किल आफइंडिया के 5 एस सिद्धांतों ने श्रम की सोच ही बदल दी है। अब 5 एस के सिद्धांतों से आज कार्यस्थलों पर वातावरण सकारात्मक हुआ है जिससे कर्मचारी की कार्यक्षमता में सुधार होकर उसे सुरक्षात्मक वातावरण मिला है और उसकी व प्रोडक्ट की उत्पादक गुणवत्ता सुधारी है। यह बात शुक्रवार को भारत के क्वालिटी सर्किल फोरम आफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश मिश्रा ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही।

ग्वालियर में क्वालिटी सर्किल आफ इंडिया क्यू सीएफआई के राष्ट्रीय अधिवेशन के मौके पर पत्रकारों से चर्चा के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश मिश्रा ने कहा कि अब जरूरत इस बात की है कि क्यू सीएफआई के 5 एस की अवधारणा को देशभर में ग्रास रूट स्तर पर अपनाया जाये, इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को साकार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की प्रसन्नता है कि क्यू सीएफआई के 5 एस सहित अन्य अवधारणाओं के आज देशभर के पब्लिक सेक्टर सहित रेलवे, डिफेंस, नेवल डाकयार्ड, सेल, गेल, बीएचईएल, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, केरल नगर पालिका, केरल पुलिस, नागपुर निगम, वाराणासी व जयपुर रेलवे स्टेशन पर अपनाया गया हैं। जहां अब कामगारों के काम करने के तरीके सुविधाजनक और बेहतर हुये हैं। मिश्रा ने बताया कि इंदौर नगर निगम भी एक इसका बेहतरीन उदाहरण है, जिन्होंने आज इंदौर को एक व्यवस्थित निगम तंत्र से देशभर के अग्रणी स्वच्छ और व्यवस्थित शहरों में खड़ा कर दिया है।

इस मौके पर क्यू सीएफआई के कार्यकारी निदेशक डीके श्रीवास्तव ने कहा कि टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट का सिद्धांत अपनाकर आज हमने देश के विभिन्न संस्थानों की कायापलट कर दी हैं। इसी वजह से भारत के श्रम व उत्पाद की विश्वभर में मांग बढ़ी है। हमने 5 एस के तहत कार्य, उत्पादकता व क्वालिटी पर फोकस किया है। वहीं क्यू सीएफआई राजसमंद चेप्टर के वाइस चेयरमैन डा. नरेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि वर्तमान युग क्यू सीएफआई के 5 एस अवधारणा का है, कोई भी इण्डस्ट्रीज के स्वर्णिम युग की शुरूआत 5 एस की अवधारणा से ही की जा सकती है। इसके लिये हमे स्कूलों से ही इस कंसेप्ट को अपनाना होगा। शर्मा ने बताया कि आज क्यू सीएफआई के देशभर में 11 हजार सदस्य और 600 ट्रेनर्स और 35 से अधिक चेप्टर हो गये हैं। इस अवसर पर क्यू सीएफआई कार्डीनेटर मनोज शर्मा सहित अन्य उघोग प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अधिवेशन प्रारंभ हुआ क्वालिटी सर्किल ऑफ इंडिया का संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन पर

ग्वालियर। भारतीय उद्योगों तथा सेवा क्षेत्र में श्रेष्ठतम उत्पाद और विश्व स्तरीय गुणवत्ता के माध्यम से राष्ट्र के विकास की राह सुनिश्चित करने की दृष्टि से क्वालिटी सर्किल आफइंडिया द्वारा उपरोक्त थीम पर दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन ग्वालियर में आयोजित हो रहा है। इस अधिवेशन में पांच सौ प्रतिभागी 80 दलों के माध्यम से टी क्यू एम पर अपनी प्रस्तुतियां देंगे। यह साझेदारी ही भविष्य में भारतीय टी क्यू एम के प्रारूप की आधारशिला होगी।

अधिवेशन की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन से की गई। ग्वालियर ग्लोरी की छात्राओं ने पांच तत्व पर आधारित नृत्य नाटिका से कार्यक्रम की शुरूआत की।

क्वालिटी सर्किल फोरम आफइंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश मिश्रा ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि बैंगलौर के बाद ग्वालियर में टी क्यू एम पर दूसरा अधिवेशन आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इस दौर में उद्योगों के विकास में टी क्यू एम विचारधारा महत्वपूर्ण भमिका निभाएगी।

क्यू सी एफ आई के कार्यकारी निदेशक डीके श्रीवास्तव ने टी क्यू एम की महत्ता पर प्रकाश डाला एवं यह घोषणा भी की कि इस वर्ष का राष्ट्रीय

अधिवेशन भी ग्वालियर में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने क्वालिटी मैनेजमेंट और वर्ल्ड क्लास मैन्यूफैक्चरिंग विचारधाराओं के क्रियान्वयन एवं लाभों की जानकारी दी और विद्यार्थी वर्ग का आव्हान करते हुये कहा कि सभी इन विचारधाराओं से जुडें और राष्ट्र की प्रगति में भागीदार बनें। टी क्यू एम के चीफ आपरेटिंग आफीसर एवं संयोजक सुनील श्रीवास्तव ने दो दिवसीय कार्यक्रम की संपूर्ण जानकारी दी एवं कहा कि आज गुणवत्ता विचारधाराओं को भारतीय परिप्रेक्ष्य में समझने और क्रियान्वित करने की जरूरत है। इस अवसर पर सलाहकार क्यू सी एफ आई ए के मित्तल ने संबोधित करते हुये कहा कि एक व्यक्ति के लिए गुणवत्ता का अर्थ है कि उत्पाद या सेवा उसकी जरूरतों पर खरी उतरे और भारतीय अर्थो में कह सकें कि पैसा वसूल हो गया। यही मानक प्रदाता पर भी लागू होता है। यानी पैसा वसूल अवधारणा हितकारकों को संतुष्ट करती है। टी क्यू एम यही काम करता है। प्रमुख वक्ता वाइस चांसलर आईटीएम योगेश उपाध्याय ने याद दिलाया कि सौंदर्य देखने वाले की आंख में निहित होता है। यही बात टी क्यू एम के बारे में कही जा सकती है। साथ ही उन्होने बताया कि ग्राहक का अनुभव ही सर्वोपरि होता है जो उत्पाद या सेवा का सर्वोत्तम अनुभव प्राप्त करना चाहता है। उन्होंने कहा कि यह उपनिषद की पूर्णमिंद की अवधारणा के नजदीक हो सकता है। एबीवी आई आई आई टी एम के निदेशक एसएन सिंह ने कहा कि उत्पाद या सेवा प्रदाताओं को एथिक्स का भी पालन करना चाहिए ताकि उनका उत्पाद या सेवा उपभोक्ता के लिए नुकसानदायक न हो। उन्होंने कहा कि प्रदाता कुछ भी छुपाए नहीं । उन्होंने कहा कि उत्पाद या सेवा को चुनना ग्राहक का सर्वोपरि अधिकार है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मांडलेज कैडबरी के डायरेक्टर आपरेशन राजेश छाबडा ने अपने उदबोधन में कहा कि गांधी का प्रसिद्ध वाक्य हमारे परिसर में ग्राहक ही भगवान है का संदर्भ देते हुये कहा कि ग्राहक ही हमारा और हमारे उत्पाद या सेवाओं का अस्तित्व तय करता है। इस मौके पर क्वालिटी सर्किल आफइंडिया के राजसमंद के चौप्टर प्रमुख डा एनके शर्मा भी विशेष रूप से मौजूद थे ।

इस अवसर पर टी क्यू एम की एक पत्रिका का अनावरण भी अतिथियों ने किया। धन्यवाद ज्ञापन समीर सेठ ने किया। कार्यक्रम का संचालन अनुपमा टंडन एवं शैली सक्सैना ने किया।

ग्वालियर से गये 2 पूर्व मंत्री, ग्वालियर के पूर्व सांसद एवं कांग्रेस के नेता राजगढ़ में लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशी का करेंगे प्रचार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। राजगढ़ संसदीय क्षेत्र के सारंगपुर विधानसभा के ग्राम करोंदी, बुडनपुर, पटाड़िया धाकड़, लाटाहेड़ा आदि ग्रामीण क्षेत्र में जनसम्पर्क कर मतदाताओं से कांग्रेस को समर्थन देने का निवेदन किया तथा ग्राम ''आशारेटा'' में आयोजित

आमसभा में दिग्विजय सिंह के समर्थन में ग्वालियर से गये म.प्र. के पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव एवं बालेन्दु शुक्ला तथा ग्वालियर लोकसभा के पूर्व सांसद रामसेवक सिंह एवं कांग्रेस के नेता दशरथ सिंह ने आमसभा में शामिल होकर कांग्रेस प्रत्याशी को भारी मतों से जिताने की अपील की।

मोदी की सभा की तैयारियों का जायजा लिया कैबिनेट मंत्री ऐदल सिंह ने

कार्यकर्ताओं से कहा-घर-घर पीले चावल देकर आमजन को आमंत्रित करें

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा की तैयारियां जोरों पर है। शुक्रवार को तैयारियों का जायजा लेने के लिए कार्यक्रम प्रभारी कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना सभा स्थल पहुंचें। उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता भी थे।

पीएम नरेन्द्र मोदी की जनसभा का आयोजन 25 अप्रैल को पुलिस परेड ग्राउण्ड पर होगा। इस कार्यक्रम के लिए मप्र शासन के कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना को प्रभारी बनाया गया है। शुक्रवार को मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता, पूर्व विधायक कमलेश जाटव, जिला मीडिया प्रभारी नीरज सिंह भदौरिया, भाजपा नेता बिट्टू तोमर, शैलेन्द्र तोमर, रजत परिहार, श्रीकांत तोमर सभा स्थल पर पहुंचें। यहां मंत्री श्री कंषाना ने जनसभा की तैयारियों को देखा। इस दौरान उन्होंने मंच से लेकर सभा में पहुंचने वाले लोगों के लिए बैठने की व्यवस्था, पेयजल के इंतजाम, सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। सभा स्थल पर मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि गर्मी के सीजन को ध्यान में रखते हुए जनसभा में पहुंचने वाली जनता को परेशानी का सामना न करना पड़े, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता ने वहां मौजूद भाजपा पदाधिकारियों से कहा कि जनसभा में अधिक से अधिक संख्या में लोग पहुंचें, इसके लिए कार्यकर्ता घर-घर जाकर आमजन को पीले चावल देकर जनसभा में आने के लिए आमंत्रित करें।

प्रधानमंत्री मोदी 25 अप्रैल को मुरैना आएंगे, शिवमंगल सिंह के समर्थन में लेंगे जनसभा

कैबिनेट मंत्री कंसाना होंगे कार्यक्रम प्रभारी

मुरैना। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अप्रैल गुरुवार को मुरैना आएंगे। कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में जिला मीडिया प्रभारी नीरज सिंह भदोरिया ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी तय कार्यक्रम अनुसार मुरैना नगर में प्रातः 10:00 बजे पुलिस परेड ग्राउंड मुरैना पर जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के प्रभारी मध्य प्रदेश शासन के कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंसाना होंगे। कार्यक्रम का सह प्रभारी पूर्व विधायक सूबेदार राजौधा, पूर्व जिला अध्यक्ष केदार सिंह यादव को बनाया गया है।

ईवीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण करने पहुँचे प्रेक्षक

ग्वालियर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में चुनाव प्रक्रिया पर निगरानी रखने के लिये नियुक्त सामान्य प्रेक्षक कृष्णा आदित्य ने शुक्रवार को ईवीएम स्ट्रांग रूम का जायजा लिया। साथ ही मतदान सामग्री वितरण व्यवस्था एवं मतगणना स्थल के बारे में जानकारी ली। निर्वाचन प्रेक्षककृष्णा आदित्य ने एमएलबी कॉलेज परिसर में स्थापित ग्वालियर जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के स्ट्रांग रूम का बारीकी से निरीक्षण किया। साथ ही सभी स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरे देखे और सीसीटीव्ही कैमरों के की लाईव रिकॉर्डिंग देखने के लिए स्थापित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरूण कुमार एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव जैन सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर को पुस्तक विक्रेता संघ ने दिया ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पुस्तक विक्रेता संघ ने कलेक्टर को एक ज्ञापन देकर मांग की है कि प्रशासन द्वारा पुस्तक विक्रेताओं के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही को रोका जाए। अपने ज्ञापन में उन्होंने कहा है कि प्रायवेट प्रकाशन की पुस्तक एवं राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा अनुशंसित पुस्तकें, एन.सी.आर.टी. द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का क्रय एवं विक्रय हम सभी पुस्तक विक्रेता करते हैं। स्कूलों में प्रायवेट प्रकाशनों की पुस्तकें स्कूलों की

डिमाण्ड के अनुसार पालकों, अभिभावकों को उपलब्ध कराते हैं। इस प्रक्रिया में प्रशासन द्वारा दुकानदारों को जाँच के दायरे में लेकर कार्यवाही की जा रही है। जिसके कारण पुस्तक विक्रेताओं का व्यापार एवं व्यापारिक प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है। हमारी मांग है कि उक्त प्रायवेट प्रकाशनों से पुस्तक व्यापारियों को मुक्त करने एवं म.प्र. शासन की मंशा के अनुरूप प्रायवेट प्रकाशनों की पुस्तकों को प्रतिबंधित करने का आदेश जारी करने की कृपा करें। जिससे सभी पुस्तक विक्रेता अनावश्यक कार्यवाही से बच सकें।

एक और नामांकन फॉर्म भरा, बसपा प्रत्याशी रमेश गर्ग ने निकाली रैली

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी रमेशचन्द्र गर्ग द्वारा शुक्रवार को अंतिम दिन एक और नामांकन फॉर्म जमा किया गया। फॉर्म जमा करने से पूर्व श्री गर्ग ने अपने समर्थकों के साथ नगर के विभिन्न मार्गो से रैली निकाली। इस दौरान अनेक स्थानों पर लोगों ने श्री गर्ग का भव्य व आत्मीय अभिनंदन किया। बसपा की रैली के लिये जीवाजीगंज स्थित अग्रसेन पार्क में बसपा कार्यकर्ता व समर्थक एकत्रित हुये। प्रत्याशी रमेशचन्द्र गर्ग एवं पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह, पूर्व विधायक बलवीर सिंह डण्डौतिया, बसपा जिलाध्यक्ष दीपेन्द्र बौद्ध, अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष महेशचन्द्र अग्रवाल ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर सर्व प्रथम माल्यार्पण किया। इसी स्थान से आरंभ हुई रैली जीवाजीगंज से एमएस रोड़ पर पहुंची। बसपा का हुजूम पुरानी कलेक्ट्रेट, पुल चौराहा, सदर बाजार, झण्डा चौक, रूई की मण्डी, पीपल वाली माता से होता हुआ सिंगल बस्ती स्थित अम्बेडकर पार्क में पहुंचा। यहां पर बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर सभी ने माल्यार्पण कर नमन किया। बसपा की यह रैली सिंगल बस्ती से गोपीनाथ की पुलिया होती हुई वापस अग्रसेन पार्क पहुंची। यहां से प्रत्याशी रमेशचन्द्र गर्ग नियम के अनुसार साथियों को लेकर नामांकन जमा करने पहुंचे। रैली के दौरान सभी मार्गो पर अधिकांश समाज के लोगों ने बसपा प्रत्याशी रमेशचन्द्र गर्ग का माल्यार्पण कर शॉल-श्रीफल से सम्मान किया।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. गुरुकृपा प्रकाशन प्रेस ,टी.आई.टी कॉम्पलेक्स मुरैना से मुद्रित एवं हिन्दुस्तान एक्सप्रेस परिसर नवीन नगर निगम मुख्यालय के सामने सिटी सेंटर ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। R.N.I. No. MP HIN/2007/ 18763
सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, स्थानीय संपादक संजय त्रिपाठी सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा। फोन: 0751-2234001 मो. 94251-26060, 9425360435